https://kkrnews.in/

RNI NO MPHIN/2021/82667

दैनिक
ख़बरों की रोशनी

KKR NEWS

वर्ष-4 अंक-285 भोपाल, शनिवार 19 जुलाई 2025 पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपय

सुविचार

देश की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। भारतीय सेना के जवान हमेशा देश की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

मध्यप्रदेश-सबमर साझेदारी टिकाऊ डिजिटल विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बार्सिलोना में सीएम की मुरीद हुई टेक जायंट कंपनी सबमर, विजिट के कुछ घंटों बाद ही कर लिया एमओयू नेक्स्ट जनरेशन के एआई-रेडी डाटा सेंटर की क्षमता को 1 गीगावॉट तक किया जाएगा विकसित

भोपाल एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश सरकार और वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनी सबमर टेक्नोलॉजीस एस.एल. के बीच डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक समझौता हुआ। बार्सिलोना में मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम और सबमर के बीच एमओयू संपन्न हुआ। इस समझौते में निवेश, तकनीकी सहयोग और सतत डिजिटल अवसंरचना के विकास पर फोकस किया गया है। यह समझौता केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि नेतृत्व, नीति और परिणाम की मिसाल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 17 जुलाई की रात को बार्सिलोना स्थित सबमर मुख्यालय के भ्रमण के अगले कुछ ही घंटों बाद यह एमओयू साइन होना निवेश के प्रति मध्यप्रदेश सरकार प्रतिबद्धता का सुदृढ़ कदम है। मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से वैश्विक निवेशकों का विश्वास तेज़ी से हासिल करने का भी उदाहरण है। इस समझौते के अंतर्गत मध्यप्रदेश में नेक्स्ट जनरेशन के एआई-रेडी डाटा सेंटर की क्षमता को संयुक्त रूप से 1 गीगावॉट तक विकसित करने के लिए एक रणनीतिक सहयोग स्थापित किया गया है। यह समझौता उन्नत लिक्विड-कूलिंग तकनीकों जैसे इमर्शन कूलिंग और डायरेक्ट-टू-चिप समाधानों पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य ऊर्जा खपत, जल उपयोग और पर्यावरणीय प्रभाव को काफी हद तक कम करना है। यह सहयोग डाटा सेंटर संचालन के लिए वैश्विक दक्षता मानकों के अनुरूप है। यह तकनीक पारंपरिक तरीकों की तुलना में 45 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत और 90 प्रतिशत तक जल संरक्षण करती है। सबमर कंपनी निर्माण, अनुसंधान एवं विकास (ऋ¤ष्ठ) और तकनीकी क्षेत्र में प्रदेश में निवेश करेगी। वहीं मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम इस परियोजना के लिए उपयुक्त भूमि, आधारभूत संरचना, नीति सहयोग एवं शासकीय औपचारिकताओं का अंतिम रूप देगा। इस साझेदारी का उद्देश्य न केवल डिजिटल क्षेत्र में राज्य की तकनीकी क्षमता को बढ़ाना है, बल्कि कौशल विकास, नवाचार और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को भी प्रोत्साहित करना है। प्रदेश के युवाओं को अत्याधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। सबमर, मध्यप्रदेश में डाटा सेंटर्स के डिज़ाइन और स्थापना में नई पीढ़ी के मानकों को स्थापित करने में सहायता करेगा। सबमर तकनीकी सलाहकार के रूप में काम करते हुए लिक्विड कूलिंग, ऊर्जा अनुकूलन और एआई आधारित अवसंरचना विकास के लिए वैश्विक विशेषज्ञता प्रदान करेगा। यह सहयोग मध्यप्रदेश को टिकाऊ, एआई-रेडी डिजिटल केंद्र के रूप में स्थापित करेगा और राज्य को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ देगा। इस समझौते के अवसर पर सांस्कृतिक सौहार्द का सुंदर दृश्य देखने को भी मिला, जब सबमर के फाउंडर श्री पोल वाल्स सोलर मध्यप्रदेश हैंडलूम से बनी विशेष टाई पहनकर एमओयू कार्यक्रम में शामिल हुए। यह समझौता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों की भावना के अनुरूप है और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार की तकनीकी उन्नयन तथा वैश्विक निवेश प्रोत्साहन की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाता है। सबमर टेक्नोलॉजीस की स्थापना वर्ष 2015 में बार्सिलोना में हुई थी। यह कंपनी डेटा सेंटर्स, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और एज कंप्यूटिंग के लिए सिंगल फेज इमर्शन कूलिंग प्रणालियों में वैश्विक विशेषज्ञता रखती है।

कृषि विभाग का फसल बीमा पाठशाला कार्यक्रम जारी

लटेरी विदिशा ,दैनिक अरवबार रवबरों की रोशनी ब्यूरो रिपोर्ट नसीम रवान हिंदुस्तानी। लटेरी तहसील में बरसात के सीजन में। बोई जाने वाली सभी फसलों के रख रखाव उनकी बेहतर देखरेख और उसकी गारंटी नुकसान से उबरने के लिए कृषि विभाग के अधिकारी श्री रितेश परिमार की निगरानी में फसल बीमा के लिए तहसील में किसान जागरूकता हेतु लटेरी के ग्राम मुड़रा सागर में कल फसल बीमा पाठशाला का आयोजन किया गया जिसमें बताया गया की 1 जुलाई से 31 जुलाई तक ऋणी एवं अऋणी कृषक बीमा करवा सकते हैं नजदीकी बैंक शाखा या कॉमन सर्विस सेंटर से जिसमें, विदिशा से बघेल ग्राम पंचायत पटवारी, कृषि विभाग से दामनी परासर फसल बीमा प्रतिनिधि मनोज धाकड़, मनीषा कुमार उपस्थित रहे,! ओर सभी किसान पुरुष और माता बहनों को जागरूक किया गया।

साकेत एमजीएम स्कूल में पुलिस अधीक्षक महोदय ने 1000 से अधिक छात्र-छात्राओं को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

विद्यार्थियों समेत शिक्षकों ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प, लघु फ़िल्म और व्याख्यान से हुए जागरूक एसपी ने स्कूल में तीरंदाजी का शुभारंभ कर बच्चों की प्रतिभा को दी नई दिशा

रंजीत ठाकुर की रिपोर्ट विदिशा। पुलिस मुख्यालय, भोपाल के निर्देशानुसार और पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत आज दिनांक 18 जुलाई 2025 को साकेत एमजीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, विदिशा में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ रक्षित निरीक्षक भूर सिंह चौहान, थाना यातायात प्रभारी आशीष राय, अतुल शाह (चेयरमैन), संजय पांडे (डायरेक्टर), डॉ. कुशाग्र दीक्षित (डायरेक्टर), विभास रंजन पाल (प्राचार्य - एमजीएम), प्रकाश शर्मा (प्राचार्य - एसएसआर) तथा शुभम सेन (तीरंदाजी शिक्षक) भी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समाज में प्रचलित विभिन्न प्रकार के नशों और उनके दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशे की शुरुआत अक्सर शौकिया, तनाव कम करने या खुद को कूल दिखाने के लिए होती है, जो बाद में गंभीर लत बन जाती है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि एक फैमिली मेंबर के नाते हमें यह जानना चाहिए कि हमारे बच्चे कहां जा रहे हैं, किसके साथ रह रहे हैं और क्या कर रहे हैं। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया और नशे के प्रकारों के बारे में जाना। विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए व्याख्यान, लघु फ़िल्म का प्रदर्शन, प्रश्नोत्तर और अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान स्कूल स्टाफ और 1000 से अधिक छात्र-छात्राएं समेत उनके परिजन भी उपस्थित रहे। अंत में विद्यार्थियों ने नशा न करने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ ली। विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और खेलों के प्रति प्रेरित करने के लिए पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी द्वारा विद्यालय में तीरंदाजी का शुभारंभ किया गया तथा उन्होंने स्वयं भी तीरंदाजी में हाथ आजमाया। विदिशा पुलिस का यह प्रयास युवाओं को नकारात्मक आदतों से बचाकर और उनकी क्षमताओं को सकारात्मक दिशा देने के लिए लगातार जारी रहेगा।

नशे के सौदागरों की सूचना दें, आपकी पहचान रहेगी गोपनीय

यदि आपके आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री, संग्रहण या तस्करी हो रही हो, तो तुरंत विदिशा पुलिस की नारकोटिक्स हेल्पलाइन- 7587637810 पर सूचना दें। आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी एवं त्वरित कार्रवाई की जाएगी। जागरूक नागरिक बनें, पुलिस का साथ दें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करें।

नशे से दूरी- है जरूरी अभियान के तहत जन-जागरूकता रैली तथा जन संवाद का आयोजन

स्कूलों, कॉलेजों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर किए गए आयोजन
छात्र-छात्राओं तथा आमजनों के नशे के खिलाफ़ किया गया अवैयर

दैनिक खबरों की रोशनी भोपाल। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार नशे से दूरी- है जरूरी अभियान के तहत आज दिनाँक 18 जुलाई को नगरीय पुलिस भोपाल के समस्त थाना क्षेत्रों में ज़न जागरूकता रैली एवं जन संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें छोला थाना इंचार्ज गरीब नगर उड़िया बस्ती में रहवासियों संवाद के दौरान थाना इंचार्ज एवं स्टॉफ द्वारा नशे से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। नशे के खिलाफ अभियान में सहभागिता देने तथा नशे से अपने परिवार रिश्तेदारों को जागरूक करने हेतु आमजनों को समझाइए दी गई, नारे लगाए गए, साथ ही नशे के खिलाफ शपथ दिलाई गई। डीसीपी जोन 4 सभी थानों में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया उनकी टीम के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है।

नर्मदा वैली इंटरनेशनल स्कूल में इनवेस्टीचर सेरेमनी का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम। शिक्षा एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में हमेशा ही अग्रणी रहने वाली संस्था नर्मदावैली इंटरनेशनल स्कूल,सेमरीहरचंद में 18 जुलाई को भाजपा मण्डल अध्यक्ष अश्वनी सरोज, चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल,डायरेक्टर मनीष अग्रवाल,निशा अग्रवाल, प्राचार्य नरेंद्र राजपूत एवं पालको की उपस्थिति में आयोजित किया गया।स्कूल कैबिनेट एवं हाउस मास्टर्स द्वारा मार्च पास्ट करते हुए मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अश्वनी सरोज की गरिमामयी उपस्थिति में स्कूल कैबिनेट के सभी पदाधिकारी को शपथ दिलाई गई । सत्र 2025 -26 के लिए माही पटेल प्रधानमंत्री, पार्थ पटेल उप मंत्री, युवराज कुशवाह हेड बॉय,सेजल गोस्वामी हेड गर्ल, श्रीकांत पटेल खेल सचिव,कनिष्का राजपूत सांस्कृतिक सचिव,सरस पटेल अनुशासन सचिव,ओम पटेल शिक्षा सचिव,आयुशी उईके स्वास्थ सचिव, जयंत राजपूत पर्यावरण सचिव,आदर्श राणें रेड हाउस कैप्टन,अवनीश सोनी रेड हाउस वाइस कैप्टन,सुमित मालवीय ब्लू हाउस कैप्टन, चंद्रभान पटेल ब्लू वाइस कैप्टन,दिवयांश चौरे ग्रीन हाउस कैप्टन,प्रगया राजपूत एंव रिधीमा गोस्वामी ग्रीन हाउस वाइस कैप्टन,मानवी गुर्जर यलो हाउस कैप्टन एवं कृष्णकांत पटेल यलो हाउस वाइस कैप्टन बनाए गए। भाजपा मण्डल अध्यक्ष अश्वनी सरोज के रोचक एवं प्रेरक उद्बोधन से विद्यार्थी बहुत अधिक प्रभावित हुए, विद्यार्थियों की जिज्ञासा का बखूबी उत्तर देते हुए अश्वनी सरोज ने उन्हें माता-पिता एवं अपने गुरुजन की आज्ञा पालन की सीख दी तथा उन्हें बताया कि जीवन में कड़ी मेहनत और लगन से हम सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि वह भी इस शाला का एक हिस्सा है। संस्था के चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल ने मुख्य अतिथि को गुलदस्ता भेंटकर अभिनंदन किया एवं स्वस्थ पर्यावरण का संदेश दिया। संस्था के डायरेक्टर मनीष अग्रवाल,प्राचार्य नरेंद्र राजपूत को शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने स्कूल कैबिनेट एवं हाउस के सभी नवनिर्वाचित छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बर्बर हत्या कांड के आरोपियों ने कबूल की हत्या

लटेरी पुलिस ने 24 घंटे में दो आरोपियों को दबोचा मात्र दो हजार के बदले अधिक वसूली के मामले पर हुई हत्या

लटेरी विदिशा दैनिक अखबार खबरों की रोशनी, ब्यूरो रिपोर्ट नसीम खान हिंदुस्तानी। विदिशा जिले की लटेरी के जंगल में मिली दो लाशों में से एक की हत्या का मामला लटेरी पोलिस ने जिले के आला अधिकारियों के मार्ग दर्शन में लभग दो दिन में ही अपराध आरोपी हत्या में प्रयुक्त हथियार के साथ गिरफ्तार करके पूरे मामले का खुलासा लटेरी थाने पर प्रेस कांफ्रेंस करके घटना का संक्षिप्त विवरण दिया है, पुलिस अधिकारियों ने लिखा की ,दिनांक 15/07/2025 की सुबह करीब 8 बजे सूचना प्राप्त हुई कि सोजनीखेड़ा के जंगल में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस के मौके पर पहुंचकर जांच में पता चला की उक्त शव मृतक संजू लोधी निवासी लोधी मोहल्ला, मधुसूदनगढ़ (गुना) है। शव सड़ी-गली हालत में था, चेहरा और हाथ पत्थरों से कुचला हुआ था। पास में ही मृतक की टूटी-फूटी मोटरसाइकिल मिली। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला प्रतीत होने पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धारा 103(1), 238, 61(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी लटेरी श्री अमरेश कुमार बोहरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जय कुमार सिंह के नेतृत्व में विभिन्न थानों के स्टाफ की संयुक्त टीम गठित की गई। एफएसएल, डॉग स्क्वॉड व सीसीटीवी फुटेज तथा कॉल डिटेल्स के विश्लेषण के आधार पर मृतक के अंतिम बार साथ देखे गए संजय कुशवाहा और धीरज कुशवाहा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। तो थोड़ी सी पूछताछ में ही हत्या का खुलासा हो गया पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि संजू लोधी से पुराना पैसों का विवाद था। संजय कुशवाहा ने उधार के 2000 रुपये चुकाने के बावजूद मृतक द्वारा बार-बार आरोपियों से और पैसों की मांग थी तथा धमकियों से परेशान होकर अपने साथी धीरज के साथ मिलकर उसे जंगल में बीयर पिलाकर, बीयर की बोतल, छुरी और पत्थरों से वार कर हत्या कर दी। शव की पहचान मिटाने के लिए चेहरे और हाथ को बुरी तरह कुचल दिया और मोबाइल भी तोड़ दिया। गिरफ्तार आरोपी संजय कुशवाहा पिता रमेश कुशवाहा (19 वर्ष) निवासी मधुसुदनगढ़ धीरज कुशवाहा पिता काशीराम कुशवाहा (18 वर्ष) निवासी लोधी मोहल्ला, मधुसूदनगढ़, जिला गुना) इस सारे मामले में लटेरी, आनंदपुर मुरवास ,, उनारसी कला थाने के इन पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही लटेरी एसडीओपी श्री अमरेश बोहरे के निर्देशन में थाना प्रभारी लटेरी उनि. जय कुमार सिंह, उनि. बी.एल. सिलोरिया, उनि. गौरव रघुवंशी (सायबर सेल), प्र.आर. पवन जैन (सायबर सेल), आर. दिलीप धाकड़, सैनिक नंदकिशोर लोधी, सैनिक कमल सिंह, थाना प्रभारी मुरवास उनि. राजेश मिश्रा हमराह स्टाफ।

टोल प्लाजा की दबंगई! सेहतगंज टोल कर्मचारियों ने युवकों से की अभद्रता, वीडियो वायरल

रायसेन-भोपाल रोड पर फिर उभरी टोल प्लाजा की मनमानी, पुलिस वेरीफिकेशन की मांग तेज

रायसेन से कलीम खान की रिपोर्ट। रायसेन-भोपाल रोड स्थित सेहतगंज टोल प्लाजा पर कर्मचारियों की दबंगई एक बार फिर सामने आई है। गुरुवार रात करीब 10 बजे रायसेन के तीन युवक जब टोल पार कर रहे थे, तो उन्हें कर्मचारियों की अभद्रता का शिकार होना पड़ा। टोल गेट नहीं खुलने पर जब युवकों ने हार्न बजाया, तो टोलकर्मियों ने गाली-गलौच शुरू कर दी। कार में फास्टैग लगा होने के बावजूद युवकों को रोका गया। जब एक युवक ने उतरकर घटना का वीडियो बनाना शुरू किया तो कर्मचारी सकपका गए और उन्हें दूसरे गेट से निकलने को कहा। पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है और लोगों में आक्रोश फैल गया है।

पीड़ितों ने दर्ज कराई शिकायत

युवकों ने तत्काल खरवाई चौकी में शिकायत दर्ज कराई। शानू शाक्या नामक युवक द्वारा की गई शिकायत में दो अहम मांगें रखी गईं 1. सेहतगंज टोल प्लाजा के सभी कर्मचारियों का आधार कार्ड जमा करवाया जाए। 2. संबंधित थाना क्षेत्र से पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से करवाया जाए।

स्थानीय लोगों में रोष, कार्रवाई की मांग तेज

यह पहली बार नहीं है जब सेहतगंज टोल प्लाजा के कर्मचारियों पर ऐसे आरोप लगे हैं। आए दिन वाहन चालकों के साथ बदसलूकी की शिकायतें मिलती रहती हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से इस पूरे मामले में संज्ञान लेने की मांग की है।

क्या कहते हैं नियम

भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार किसी भी टोल प्लाजा कर्मचारी की नियुक्ति से पहले थाना स्तर पर पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य होता है, लेकिन सेहतगंज टोल पर इसकी लगातार अनदेखी हो रही है।

रायसेन-सिलवानी हाईवे-44 पर किसानों का चक्काजाम, मूंग तुलाई में लापरवाही से नाराज़

रायसेन से कलीम खान की रिपोर्ट रायसेन। रायसेन-सिलवानी स्टेट हाईवे नंबर 44 पर शुक्रवार को उस समय तनाव का माहौल बन गया जब सैकड़ों किसानों ने सड़क पर उतरकर चक्काजाम कर दिया। किसानों का आरोप है कि पटेल बेयरहाउस पर कई दिनों से मूंग की तुलाई नहीं हो रही, जिससे वे बेहद परेशान हैं। उनका कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी जानबूझकर लापरवाही बरत रहे हैं और उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारी किसी बड़ी घटना के इंतजार में हैं, तभी कोई ठोस कार्रवाई की जाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों और किसानों के बीच बातचीत जारी है, वहीं प्रशासन का कहना है कि जल्द ही तुलाई प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी और किसानों को राहत दी जाएगी।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पुलिस ने गुड ब्राइट फ्यूचर स्कूल के छात्र-छात्राओं को जागरूक कर दिलाई नशा मुक्त समाज की शपथ

रंजीत ठाकुर की रिपोर्ट विदिशा। पुलिस मुख्यालय भोपाल के दिशा-निर्देशन में संचालित नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत विदिशा जिले में लगातार जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत गुड ब्राइट फ्यूचर हाई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह की उपस्थिति में थाना प्रभारी विमलेश राय द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं आमजन (लगभग 150 लोगों) को नशे के दुष्परिणाम बताए गए और नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। नशे के सौदागरों की सूचना दें, आपकी पहचान रहेगी गोपनीय यदि आपके आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री, संग्रहण या तस्करी हो रही हो, तो तुरंत संपर्क करें- विदिशा पुलिस नारकोटिक्स हेल्पलाइन 7587637810 आपकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आइए, जागरूक नागरिक बनें, पुलिस का साथ दें और एक नशा मुक्त समाज की दिशा में कदम बढ़ाएं।

कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने अमरवाड़ा जनपद पंचायत का किया निरीक्षण

हर्रई अमरवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ शरद सेन की रिपोर्ट। अमरवाड़ा छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने अमरवाड़ा जनपद पंचायत का किया निरीक्षण...इस दौरान एसडीएम हेमकरण धुर्वे,सीईओ वासुदेव शर्मा,सहायक यंत्री एनएम ब्रम्हे रहे मौजूद...कलेक्टर ने अमरवाड़ा जनपद में विभिन्न योजनाओं के कार्यों में प्रगति, कर्मचारियों की बैठक व्यवस्था और अभ्युदय कोचिंग क्लासेस के विषय में ली जानकारी! इस मौके पर प्रेस क्लब के द्वारा जिला कलेक्टर से अमरवाड़ा हॉस्पिटल में सोनोग्राफी मशीन लगाने,जर्जर स्कूलों की मरम्मत कराने की बात रखी गई।

नाबालिकों को नहीं दें नशे का सामान माधव नगर पुलिस का नशा मुक्ति अभियान

हिदायत भी दी और शपथ भी दिलाई

अमित नायक कटनी से। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय कटनी श्री अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया एवं श्रीमान नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में माधव नगर थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने अपनी टीम के साथ नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया एवं थाना क्षेत्र के स्कूलों के आसपास मौजूद पान ठेले वालों एवं टपरे वालों, तंबाकू विक्रेताओं को सख्त लहजे में बच्चों को नशे का सामान न बेचने की हिदायत दी। आपको बता दें कि पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे 15 दिवसीय नशा मुक्ति अभियान के तहत लोगों को नशे से दूर रहने एवं समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में माधव नगर पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में पूर्व में भी अभियान को सफल बनाने के लिए डीएवी एसीसी स्कूल में बच्चों को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव की विस्तृत जानकारी दी गई एवं उन्हें व उनके परिजनों को नशे से दूर रहने की समझाइस दी गई। जागरूकता के साथ सतर्कता बरतते हुए स्कूल स्टाफ एवं बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई एवं आज यह भी प्रयास किए गए की स्कूल के आस पास मौजूद ठेले पान टपरों या फिर अन्य दुकानों से बच्चों को नशे का सामान न बेचा जाए। माधव नगर थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने कहा कि पुलिस मुख्यालय की मंशा के अनुरूप पुलिस अधीक्षक श्री विश्वकर्मा के निर्देश पर अभियान चला कर जन जागरूकता फैलाने के प्रयास माधव नगर पुलिस के द्वारा किए जा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक ने माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई

मुस्तकीम मुगल खबरों की रोशनी अलीराजपुर। पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास द्वारा जिले में सक्रिय माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के जिला स्तरीय प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित ऋण गतिविधियों की निगरानी, पारदर्शिता, सुरक्षा तथा विधिसम्मत संचालन पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य -जिले में माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की बढ़ती गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया है कि ये संस्थाएं भारतीय रिज़र्व बैंक की दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करें, और साथ ही इनके कर्मचारियों की गतिविधियां ग्रामीणजनों के हित में, तथा कानून व्यवस्था के अनुरूप हों। बैठक का उद्देश्य जनता एवं माइक्रो फाइनेंस कंपनियों दोनों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा।

प्रमुख निर्देश एवं बिंदु जो बैठक में दिए गए

1. RBI गाइडलाइनों का पालन-माइक्रो फाइनेंस कंपनियों को निर्देशित किया गया कि वे ऋण देने, वसूली, ब्याज दर तय करने एवं वसूली प्रक्रिया में पूर्णतः भारतीय रिज़र्व बैंक की गाइडलाइन का पालन करें। किसी भी प्रकार की मनमानी या दबावपूर्वक वसूली की शिकायत मिलने पर कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।
2. ग्रामीण क्षेत्रों में जाने से पूर्व थाना को सूचना-यह स्पष्ट निर्देश दिया गया कि कंपनी के कोई भी कर्मचारी जब ग्रामीण क्षेत्र में कार्य हेतु जाएं, तो पूर्व में संबंधित थाना प्रभारी को सूचना देना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य यह है कि अगर कार्य क्षेत्र में कोई अप्रिय घटना या असामाजिक तत्वों द्वारा व्यवधान उत्पन्न किया जाता है, तो पुलिस समय रहते आवश्यक सहायता प्रदान कर सके एवं कर्मचारी सुरक्षित रह सकें।3. कंपनी के समस्त कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कंपनियों द्वारा नियुक्त समस्त फील्ड स्टाफ, एजेंट्स एवं ऋण वसूली में लगे कर्मचारियों का थाना स्तर पर चरित्र सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की आड़ में जनता को भ्रमित या धमका न सकें। कर्मचारियों के मोबाइल नंबरों की सूची देना अनिवार्य-प्रत्येक माइक्रो फाइनेंस कंपनी को अपने कार्यरत फील्ड स्टाफ के नाम, पद, कार्य क्षेत्र एवं मोबाइल नंबर की सूची थाना स्तर पर उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है। यह सूची अद्यतन होनी चाहिए जिससे पुलिस को हर कर्मचारी की जानकारी सुलभ हो। 5. जनता के साथ व्यवहार में संवेदनशीलता पुलिस अधीक्षक श्री व्यास द्वारा यह भी सख्त निर्देश दिए गए कि कोई भी कर्मचारी ग्रामीणजन से अभद्रता, डराने-धमकाने, संपत्ति जब्त करने या सामाजिक अपमान जैसी किसी भी प्रकार की गतिविधि में संलिप्त न हो। ऐसी कोई शिकायत मिलने पर संबंधित कर्मचारी एवं कंपनी के विरुद्ध वित्तीय एवं आपराधिक धाराओं में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देशानुसार अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यो व संचालकों की बैठक ली गई

गाईड लाईन व नियमों के पालन करने के दिए निर्देश

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशानुसार जिला पंचायत सभागृह में अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान की अध्यक्षता में जिले के समस्त अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यो व संचालकों की बैठक आयोजित रही। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री लता शरणागत, एसडीएम अजमेर सिंह गौड,सिटी मजिस्टेऊट राजेश पाटीदार,जिला शिक्षा अधिकारी संतोष सिंह सोलंकी द्वारा अशासकीय विद्यालयों के संचालन में आ रही समस्याओं,परिवहन व्यवस्था, विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस,कक्षावार विवरण, पाठ्य पुस्तक संबंधी वितरण,शाला का नामांकन एवं अन्य स्कूली मुद्दो पर चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान ने स्कूल बसों में छात्र-छात्राओं के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन हेतु स्कूल संचालकों व प्राचार्यो को स्कूली बसों के द्वारा सुप्रीम कोर्ट की गाईड लाईन अनुसार वाहन संचालन करने एवं समस्त वैद्य दस्तावेजों जैसे-परमिट,फिटनेस,बीमा,ड्राइविंग लाइसेंस,प्रदूषण प्रमाण पत्र,नंबर प्लेट,ड्राइवर व कण्डक्टर वर्दी,फस्ट एड बॉक्स,अग्नि शमनयंत्र,पैनिक बटन के संबंध में अवगत कराया गया। साथ ही सभी संचालकों को दस्तावेज पूर्ण होने की स्थिति में ही वाहन संचालन करने हेतु निर्देश दिये गये। दस्तावेज पूर्ण ना होने पर वाहन संचालन करने पर स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। साथ ही स्कूली वाहन जप्त किया जावेगा। जिन स्कूल बसों के वाहनों के दस्तावेज़ पूर्ण नहीं हैं,उन्हें 7 दिवस में सभी आवश्यक दस्तावेज़ पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया है। जिला पंचायत सीईओ सुश्री लता शरणागत व एसडीएम अजमेर सिंह गौड ने कहा कि, विद्यालयों में धर्म विशेष गतिविधियों एवं राजनैतिक गतिविधियों से दूर रह कर छात्र छात्राओं को मुख्य रूप से शिक्षा ग्रहण कराई जाये। सभी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाये। बैठक में जिले के सभी अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य व संचालक जिसमे नेहरू मॉन्टेसरी,मेक्रो विजन एकेडमी,जीएनटी व सेवासदन स्कूल,सरस्वती शिशु मंदिर,न्यू ज्ञानदीप स्कूल, लक्कड वाला पब्लिक स्कूल,सेट झेव्हियर्स इंटरनेशनल स्कूल,ऑक्सफोर्ड स्कूल,अर्वाचीन इंडिया स्कूल,बुरहानपुर पब्लिक स्कूल,सेंट थैरेसा स्कूल व अन्य विद्यालयों की उपस्थिति रही।

बुरहानपुर जिले में पर्यटन विकास और संभावनाएं हेतु केन्द्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेन्द्र शेखावत से अर्चना चिटनिस ने की भेंट

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। शुक्रवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने केन्द्रीय संस्कृति व पर्यटन विभाग मंत्री गजेन्द्र शेखावत से मुलाकात कर बुरहानपुर जिले में पर्यटन व संस्कृति के क्षेत्र में अनेक कार्यों और संभावनाओं को लेकर विभिन्न मांगे रखी। असीरगढ़ किला को यूनेस्को की सूची में सम्मिलित करने, कुंडी भंडारे को को स्थायी सूची में शामिल करने तथा बुरहानपुर में बन रहे श्री गुरूगोविंदसिंह मेमोरियल संग्रहालय का निर्माण कार्य की दूसरी

किश्त जारी करने का आग्रह किया। इसी के साथ श्रीमती चिटनिस ने भारत सरकार में संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल से भी मुलाकात कर बुरहानपुर पर्यटन व संस्कृति के क्षेत्र में संभावनाओं पर विस्तार से विमर्श कर सहयोग के लिए आग्रह किया।

कुंडी भंडारा को स्थायी सूची तथा असीरगढ़ किले को विश्व धरोहर की टैंटेटिव सूची में हो शामिल

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि मध्यप्रदेश के पांच स्मारकों को यूनेस्को की अस्थाई सूची में सम्मिलित किया गया है। इसमें बुरहानपुर का कुंडी भंडारा भी एक महत्वपूर्ण स्मारक के रूप में ध्यान रखते हुए यूनेस्को के टैंटेटिव सूची में शामिल किया गया है। श्रीमती चिटनिस ने केन्द्रीय मंत्री श्री शेखावत से आग्रह किया कि कुंडी भंडारा को स्थायी सूची में तथा महाभारत काल से जुड़े मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण असीरगढ़ किले को भी विश्व धरोहर की सूची में सम्मिलित करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली को आवश्यक निर्देश जारी करने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह किला आसा अहिर जी द्वारा निर्मित है। असीरगढ़ किला को पुरातन काल में भारत का दक्षिण द्वार कहा गया। यह पुरातत्व धरोहर होकर ऐतिहासिक स्मारक के लिए जाना जाता रहा, ऐसा प्रसिद्ध किला है।

श्री गुरूगोविंदसिंह मेमोरियल संग्रहालय की दूसरी किश्त जारी करने हेतु रखी मांग

मुलाकात के दौरान श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि बुरहानपुर में की श्री गुरूगोंविन्द सिंह जी की 350वीं वर्षगांठ के अवसर पर ''मेमोरियल म्युजियम'' की स्थापना प्रदेश की महत्वपूर्ण योजना है। भारत शासन संस्कृति मंत्रालय नई-दिल्ली द्वारा वर्ष 2017-18 वित्तीय वर्ष में मेरे ही आग्रह पर केंद्र सरकार ने श्री गुरूगोविंद सिंह जी के मेमोरियल म्यूजियम के निर्माण हेतु राशि 17.06 करोड़ रूपए स्वीकृत की। बुरहानपुर का अपना गौरवशाली इतिहास रहा हैं जिसमें मानव संस्कृति विकास के विविध सोपान ताप्ती घाटी में उपलब्ध है। संग्रहालय किसी भी स्थल की संस्कृति का आइना होता है। इस महत्वपूर्ण स्थल का संबंध श्री गुरूगोंविन्द सिंह की यात्रा से जुड़ा होने के कारण एक बहुउद्वेश्यीय संग्रहालय की योजना बनायी गयी थी जिसमें बुरहानपुर के प्राचीन इतिहास कें साथ सिक्ख पर्व व श्री गुरूगोविन्द सिंह जी पर केन्द्रित दीर्घा बनाई जा रही हैं। भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय की म्युजियम ग्रांट स्कीम के अतंगर्त राशि 15.39 करोड़ रूपए का अनुदान स्वीकृत किया गया। प्रथम किश्त 7 करोड़ 69 लाख 50 हजार रूपए मध्यप्रदेश शासन के संचालनालय पुरातत्व, को प्रदान की गई थी ।संचालनालय पुरातत्व द्वारा कार्य उक्त राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं कार्य की अद्यतन स्थिति भेजी गई है। संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एंव संग्रहालय,म.प्र.भोपाल द्वारा कार्य की अद्यतन स्थिति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजकर दूसरी किश्त प्रदान करने का अनुरोध भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय से किया गया है। राशि प्राप्त न होने के कारण भवन निर्माण कार्य पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ रहा है। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि मान.प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के परिप्रेक्ष्य में ही इस महत्वपूर्ण संग्रहालय की स्थापना की जा रही है। श्रीमती चिटनिस ने इस कार्य की अगली किश्त से शीघ्र से शीघ्र उपलब्ध कराने हेतु केन्द्रीय संस्कृति व पर्यटन विभाग मंत्री गजेन्द्र शेखावत से विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जारी करने का अनुरोध किया।

अब 34 करोड़ की लागत से श्री गुरूगोविंदसिंह मेमोरियल म्यूजियम का कार्य होगा पूर्ण

उल्लेखनीय है कि बुरहानपुर में बन रहे श्री गुरूगोविंदसिंह मेमोरियल संग्रहालय का निर्माण कार्य अब अतिशीघ्र पूर्ण हो सके, इस हेतु विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस लगातार प्रयासरत है। अब 34 करोड़ रूपए की लागत से म्यूजियम का निर्माण कार्य होगा। जिसकी सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। श्रीमती चिटनिस ने बताया कि बुरहानपुर में लगभग 17 करोड़ की लागत से श्री गुरूगोविंदसिंह मेमोरियल संग्रहालय स्वीकृत किया गया था। इस म्यूजियम का निर्माण कार्य राशि आवंटन के अभाव और देरी के कारण इसकी लागत में वृद्धि होने के चलते निर्माण कार्य रूक गया था। वर्तमान में इस म्यूजियम की लागत लगभग 34 करोड़ रूपए से अधिक हो गई है। श्रीमती चिटनिस द्वारा मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव सहित संबंधित अधिकारियों से पत्राचार एवं भेंट की थी। साथ ही विधानसभा में ध्यानाकर्षण और प्रश्न लगाया गया था। श्रीमती चिटनिस के आग्रह पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मध्यप्रदेश सरकार के बजट से बढ़ी हुई शेष राशि 17 करोड़ रूपए का आवंटन करने के निर्देश दिए है। वित्त विभाग द्वारा बढ़ी हुई राशि 17 करोड़ रूपए की अतिरिक्त सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि 17वीं शताब्दी में भारत की भूमि पर अनेक महापुरूषों और वीरों ने जन्म लिया। जिसके फलस्वरूप आज मां भारती और हम भारतवासी होकर भारत भूमि पर अपनी सांस ले पा रहे है। इस काल में श्री गुरू गोविंदसिंह जी,छत्रपति शिवाजी महाराज आदि ने जन्म लेकर अत्याचार और अनाचार के विरूद्ध संघर्ष करते हुए भारतीयता की रक्षा की। धर्म और संस्कृति के लिए बलिदानी जीवन जी कर हमें प्रेरणा दी है। ऐसे योद्धा और महापुरूषों की यादें आने वाली पीढ़ी और संपूर्ण विश्व जान सके, इस दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्री गुरू गोविंदसिंह के 350वीं जयंती पर अपने बुरहानपुर के लिए 34 करोड़ की लागत से श्री गुरूगोविंदसिंह मेमोरियल म्यूजियम की स्वीकृति प्रदान कराकर हम यह ''खांडा'' आकार में तीन मंजिला भवन निर्माण करा रहे है। श्रीमती चिटनिस ने कहा कि बुरहानपुर एक पौराणिक शहर है जिसमें श्री गुरूगोविंदसिंह जी और श्री गुरूनानक जी जैसी पुण्यात्माओं के चरण यहां की धरती पर पड़े। वो एक बड़े दार्शनिक,योजक,संघटक और कई भाषाओं के जानकार थे।

6 माह 9 दिन बुरहानपुर रूके थे श्री गुरू गोविंदसिंह जी

विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक घटनाओं के स्मरणोत्सव से ही भविष्य की पीढ़ियां जड़ों से जुड़ सकेंगी। जो इतिहास भूल जाते है वह कभी इतिहास नहीं बना सकते। सिख सम्प्रदाय के दशम गुरू गोविंदसिंह जी का जून,1708 ईसवी में नांदेड जाते समय छः माह नौ दिन तक बुरहानपुर में निवास रहा है। इसी ठहराव के समय में उन्होंने सुनहरी बीड (गुरूग्रंथ साहब) को लिपिबद्ध करवाया था। इस बीड़ के सभी पन्नों को सुनहरे बेलबूटों की कलापूर्ण चित्रकारी से सुसज्जित किया गया है। अंतिम पन्ने पर श्री गुरूगोविंदसिंह जी के करकमलों से उन्होंने स्वयं इस बीड़ पर सुनहरी स्याही से ओंमकार लिखकर इस महान ग्रंथ और गुरूद्वारे को पवित्रता-आस्था प्रदान की। बताया जाता है कि संपूर्ण विश्व में इस विशिष्टता के एकमात्र बीड़ (गुरूग्रंथ साहब) है। बुरहानपुर गुरूद्वारा बड़ी संगत के पीछे श्री गुरूगोविंदसिंह जी का पूजा स्थल है जहां गुरूजी स्वयं साधना-आराधना करते थे एवं पास ही एक कुआं भी स्थित है, जो तत्कालीन समय का है।

सावन में शिव पूजा का महत्व और विश्व मांगल्य सभा का आध्यात्मिक आयोजन

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए अत्यंत पावन और शुभ माना जाता है। यह महीना प्राकृतिक वर्षा,हरियाली और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होता है। इसी आध्यात्मिक ऊर्जा को जनमानस तक पहुँचाने के उद्देश्य से विश्व मांगल्य सभा द्वारा लालबाग अक्षरधाम कॉलोनी,लालबाग में एक विशेष शिव पूजन एवं जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। अनुराधा महाजन दीदी ने बताया सभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए और शिवजी की पूजा, श्रृंगार, एवं महाभिषेक में भाग लिया। सभा में उपस्थित सभी माता बहनों ने ने शिवपूजा में भाग लिया और शिव जी की विशेष श्रृंगार कर पूजा की गई शैलजा यादव दीदी ने विश्व मंगल सभा के उद्देश्यों के बारे में बताया यह सभा धार्मिक और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए तथा संपूर्ण विश्व के मंगल के लिए आयोजित की जाती है जिसमें समस्त बहनें ईश्वर की आराधना एवं संपूर्ण भारत को एकजुट रहने की बात की प्रेमलता सांकले ने शिवपूजन प्रयुक्त विशेष पत्र-पुष्पों जैसे बेलपत्र, शमी पत्र एवं धतूरा का धार्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व भी बताया।

बेलपत्र

धार्मिक कारण- शिवपुराण में वर्णन है कि बेलपत्र शिव को अत्यंत प्रिय है। त्रिफल युक्त बेलपत्र चढ़ाने से शिवजी शीघ्र प्रसन्न होते हैं।
वैज्ञानिक कारण- बेलपत्र में औषधीय गुण होते हैं जो वात-पित्त-कफ संतुलन में सहायक होते हैं। इससे वातावरण शुद्ध होता है।

शमी पत्र

धार्मिक कारण- महाभारत काल में अर्जुन ने शमी वृक्ष में अपने शस्त्र छिपाए थे। इसे शक्ति और विजय का प्रतीक माना गया है। शमी पत्र शिव को चढ़ाने से भय और संकट दूर होते हैं।
वैज्ञानिक कारण- शमी का पौधा वायुमंडल की नमी और नाइट्रोजन संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

धतूरा

धार्मिक कारण- शिवजी को विष का नाशक माना गया है और धतूरा विष का प्रतीक है। इसे चढ़ाकर भक्त अपने विकार,क्रोध और नकारात्मक ऊर्जा को शिव को समर्पित करते हैं। वैज्ञानिक कारण- धतूरे में ऐल्कलॉइड होते हैं जो कीट-नाशक और वातनाशक होते हैं। अभिलाषा चौधरी ने बताया सावन में शिव पूजा का महत्व- भगवान शिव भोलानाथ हैं, जो सरल श्रद्धा से प्रसन्न होते हैं। सावन सोमवार व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को योग्य वर,गृहस्थों को सुख-समृद्धि,एवं रोगियों को आरोग्यता की प्राप्ति होती है। रानी कश्यप ने बताया इस मास में शिवलिंग पर जल,दूध,बेलपत्र,शहद,घी आदि से रुद्राभिषेक विशेष

पुण्यदायक माना जाता है।

कहा गया है

श्रावण मासे स्नात्वा शुचिः शिवं पूजयेद्यदि।

सर्वपापविनिर्मुक्तो मोक्षमाप्नोत्यसंशयः॥
सभी माता बहनों ने ने शिव तत्त्व, शिव के पंचाक्षरी मंत्र 'नमः शिवाय' एवं शिव के 108 नाम का जाप किया। सामूहिक रुद्रपाठ — पूरे वातावरण में ओंकार और मंत्रध्वनि से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। सुनीता साखरे दीदी ने बताया विश्व मांगल्य सभा द्वारा आयोजित यह शिव पूजन कार्यक्रम न केवल श्रद्धालुओं के लिए एक आध्यात्मिक अनुभव बना,बल्कि शिव आराधना की वैज्ञानिकता और पौराणिकता को भी जन-जन तक पहुँचाने का सुंदर प्रयास रहा। सावन मास में शिव की पूजा,हमें संयम, समर्पण और सरलता सिखाती है। यह भक्ति का महीना हमें आंतरिक शांति और मोक्ष की ओर प्रेरित करता है।

बिरोदा बनेगा प्लास्टिक मुक्त नंबर वन, ग्राम पंचायत का संकल्प जारी, स्कूली बालक बालिकाओं ने निकाली रैली, प्लास्टिक मुक्त बिरोदा बनाने के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। जिले के ग्राम बिरोदा मे स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त को लेकर ग्राम पंचायत द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ग्रामीणो को स्वच्छता बनाए रखने एवं पोलीथीन प्लास्टिक का उपयोग बंद करने को लेकर जागरूक किया जा रहा है। इसी कडी में शुक्रवार को शासकीय हाईस्कूल,शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बालक बालिकाओं द्वारा स्कूल से रैली निकाली गई। रैली मे शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ ग्राम पंचायत के उपसरपंच एवं पंचायत कर्मचारी मोजूद थे रैली गांव के प्रमुख मार्ग से गुजरी रेली में बालक बालिकाओं द्वारा सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करने को लेकर नारे लगाए।
कदम से कदम मिलाना है बिरोदा को स्वच्छ बनाना है जीवन का रखो मान प्लास्टिक कहो बाय बाय जान, स्वच्छ भारत का सपना प्लास्टिक मुक्त बिरोदा अपना के नारों के साथ लोगों को जागरूक किया गया, पोलीथीन का उपयोग करने पर 500 से 5 हजार तक का जुर्माना भी लगाया है।ग्राम पंचायत द्वारा लगातार पोलीथीन प्लास्टिक मुक्त को लेकर सतर्कता बरते हुए रोजाना गांव में ग्राम पंचायत के सरपंच उपसरपंच सचिव पंच एवं कर्मचारियों द्वारा सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने व बिरोदा को स्वच्छ सुंदर प्लास्टिक मुक्त बिरोदा नंबर वन बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे जैसे कि दिवारो पर स्लोगन लेखन कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है,तो वही स्कूलों के बालक बालिकाओं की भी रैलिया निकाल कर जागरूक किया जा रहा है और पोलीथीन छोड़ो बिमारियों से बचो नारों के साथ जागरूक किया जा रहा है,साथ ही कोई पोलीथीन का उपयोग करते पाए जाते हैं तो पोलीथीन जप्त कर चालानी कार्रवाई भी कि जा रही है। उपसरपंच प्रदीप माली ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे। स्वच्छता अभियान को देखते हुए हमारे द्वारा भी यह संकल्प लिया गया कि हम भी बिरोदा को स्वच्छता एवं प्लास्टिक से बिरोदा को

नंबर वन बनायेंगे ताकी सिंगल युज प्लास्टिक से होने वाली महामारी बिमारियों से बचा जा सकता है और गांव भी स्वच्छ सुंदर एवं प्लास्टिक मुक्त रहेगा यह हमारा संकल्प जारी है लगभग गांव मे भी हमारे द्वारा चलाए जा रहे अभियान भी सफलता कि ओर बढ रहा है और गांव में भी करीब 70 प्रतिशत पोलीथीन का उपयोग होना बंद हो गया है और हमारे द्वारा लगातार अभियान के तहत लोगों को जागरूक करने का प्रयास जारी हैं 15 अगस्त तक पुरा गांव स्वच्छ सुंदर प्लास्टिक मुक्त बिरोदा नंबर बनेगा यही हमारा प्रयास जारी है।

खुशी के पल संस्था ने बच्चों की सुविधा के लिए वितरित की दरिया एवं शिक्षा सामग्री

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। की मानव सेवा को समर्पित संस्था खुशी के पल द्वारा शा. उ.मा.वि.पुरुषार्थी वार्ड बुरहानपुर मैं बच्चों की सुविधा के लिए दरियों का वितरण किया गया संस्था की संयोजीका श्रीमती हरप्रीत कीर ने बताया कि संस्था द्वारा बच्चों को पढ़ाई में हो रही कठिनाई को देखते हुए यह दरिया वितरित की गई है। ताकि बच्चे फर्श पर ना बैठे संस्था द्वारा 60 बच्चों को पेंसिल,रबर,बिस्कुट आदि भी वितरित किए गए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए भविष्य में भी मदद आश्वासन संस्था ने दिया इस उपलक्ष में शाला के प्राचार्य संजय कुमार अगनानी, प्रमोद निकम, प्रेमलता महाजन,झूमा सिसोदिया,शिल्पा शेवाले और संस्था से जुड़ी सदस्य श्रीमती रिचा सलूजा,वर्षा बतरा ,मिनाक्षी शर्मा,प्रमिला सागरे आदि उपस्थित थे।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटील के प्रयास से बुरहानपुर में धार्मिक पर्यटन को मिली नई उड़ान

9 करोड़ की लागत से विकसित हुआ मोहना संगम मंदिर 17 महीने में बदल गई तस्वीर
- विकास का वादा ज्ञानेश्वर दादा- सांसद सहित जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण- सांसद ने कहा जो कहा वह किया यह है भाजपा सरकार

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। खंडवा लोकसभा सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटील के प्रयास से सूर्यपुत्र मां ताप्ती नदी का मोहना संगम धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित हो गया है। 17 महीने में धार्मिक स्थल की तस्वीर ऐसी बदली की अब भव्य और आकर्षक स्वरूप ले लिया है। प्राचीन मोहना संगम मंदिर को संगमेश्वर महादेव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है,लगभग 9 करोड़ की लागत से यहां मंदिर का जीर्णोद्धार,घाट,हॉल,पार्किंग,गार्डन,आकर्षक प्रवेश द्वार,शौचालय का निर्माण हो गया है पेयजल के लिए वाटर कूलर,बैठने के लिये बैंच भी लग गये हैं,पहुंच मार्ग भी जल्द बन जायेगा। शुक्रवार को सांसद ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

नदी में चलेंगी बोट, पार्क में लगेंगे झूले

सांसद श्री पाटील ने बताया की यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार धार्मिक पर्यटन स्थलो का विकास कर रही है। प्रथम चरण में मोहना संगम में कई कार्य किए गये द्वितीय चरण में शेष विकास कार्य भी कराए जाएंगे इसकी कार्य योजना बनाकर भेज रहे हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए ताप्ती नदी में बोटिंग शुरू करना,पार्क में बच्चों के खेलने के लिए विभिन्न प्रकार के झूले,जैसे कि फिसलने वाली पट्टी आदि लगाए जाएंगे घाट का और विस्तार होगा। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार किया जायेगा।

संसदीय क्षेत्र के अन्य धार्मिक स्थलों को भी करेंगे विकसित

सांसद पाटील ने कहा कि नागझिरी घाट पर स्थित प्राचीन श्रीराम झरोखा मंदिर को भी धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेंगे। मंदिर का जीर्णोद्धार,घाटों का निर्माण ,पहुंच मार्ग,सौंदर्यीकरण आदि किया जाएगा। इसके साथ ही संसदीय क्षेत्र के अन्य धार्मिक स्थलों को भी विकसित करने की दिशा में प्रयास जारी है।आस्था और विरासत से जुड़े धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण,जीर्णोद्धार और सुदृढ़ीकरण भाजपा सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

आज गुलाबगंज में करणी सेना परिवार गुलाबगंज एवं सर्व समाज द्वारा तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा गया

करणी सेना ने आज पूरे मध्य प्रदेश में ज्ञापन सौंपा रंजीत ठाकुर की रिपोर्ट विदिशा। 13 जुलाई को हरदा में पुलिस द्वारा हुई बर्बरता के मामले में मुख्यमंत्री जी से मांग की जा रही है कि जो हरदा कलेक्टर और एसपी हैं उनको तुरंत प्रभाव से निलंबित किया जाए 13 जुलाई को हरदा राजपूत छात्रावास में घुसकर पुलिस ने काफी बर्बरता से बहा पर लाठी चार्ज किया गया

अन्यथा प्रदेश में एक बहुत बड़ा आंदोलन किया जाएगा इसमें गुलाबगंज की वरिष्ठ समाजसेवी आकाश कटारे समाज सेवी पीयूष शर्मा करणी सेना कार्यकारिणी अध्यक्ष सुनील राजपूत पंचम सिंह राजपूत करणी सेना गुलाबगंज अध्यक्ष सौरभ राजपूत उपाध्यक्ष सुरेंद्र राजपूत सोनू राजपूत योगेंद्र राजपूत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अध्यक्ष पीयूष शर्मा विद्यार्थी परिषद मंत्री गोविंद रघुवंशी समीर दीपेश सुमित रोहित अनमोल अतुल रुद्र सभी साथी मौजूद रहे।

दैनिक खबरों की रोशनी

भोपाल, शनिवार 19 जुलाई 2025

वैध सूदखोरी बना फांसी का फंदा, अवैध से ज्यादा खतरनाक वैध

कर्ज से कई गुना ब्याज एवं सूदखोरी के कारण भारत में हर साल हजारों की संख्या में आत्महत्या की घटनाएं सामने आ रहे हैं। सरकार ने सूदखोरी से लोगों को बचाने के लिए बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। बैंकों से गरीबों एवं मध्यम वर्ग को ऋण दिलवाने का काम किया। साहूकारों के चंगुल से आम आदमियों को छुड़ाकर कानूनी बैंकिंग सिस्टम को विकसित किया, ताकि सूदखोरी के असीमित ब्याज और सूदखोरों की दादागिरी से आम लोगों को बचाया जा सके। अब देखने में आ रहा है राष्ट्रीयकृत बैंकों, निजी बैंकों एवं एनएफसी कंपनीयों द्वारा आम लोगों को जो ऋण मुहैया कराया जा रहा है। जिस तरह के नियम और कानून बनाए गए हैं, समय-समय पर जो बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने पुराने सूदखोरों को भी मात कर दिया है। सरकारी बैंकों और निजी बैंकों के अलावा एनएफसी कंपनियों से जो ऋण आम जनता ले रही है। उनसे जिस तरह का ब्याज को मूलधन में जोड़कर चक्रबृद्धि ब्याज वसूला जा रहा है। मूलधन और ब्याज नहीं दिए जाने पर जिस तरह से किसानो और गरीब आदमियों की कुर्की के जरिए ऋण की वसूली की जाती है। 2004 के बाद से बैंकों, सहकारी समितियों, तथा नॉन बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर ऋण दिया जा रहा है। ऋण की समय पर अदाएगी नहीं होने के कारण बैंकों, सहकारी समितियां और एनएफसी कंपनियों द्वारा जिस तरह से मूलधन पर ब्याज, दंड ब्याज, जुर्माना तथा तरह-तरह की शुल्क जोड़कर चक्रबृद्धि ब्याज लगाकर वसूल कर रहे हैं। सरकारी बैंकों का ऋण 4 साल के अंदर 2 गुना से ज्यादा हो जाता है। एनएफसी कंपनी जो ऋण देती हैं उसमें 36 फीसदी तक ब्याज वसूल किया जा रहा है। ऋण की वसूली के लिए बाउंसर लगाए जाते हैं। लोगों के सिर पर कर्ज का बोझ लाद दिया गया है। उनका आय से कई गुना ज्यादा कर्ज आम आदमी ने ले लिया है। जब वह किस्तें नहीं चुका पाते हैं, उनका ऋण कई गुना ज्यादा बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में अब जो दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उसमें लोग आत्महत्या करने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से परिवार सहित आत्महत्या करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। हजारों किसानों द्वारा हर साल कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार जीरो फ़ीसदी

ब्याज पर 6 माह के लिए ऋण देती है। एक दिन भी लेट हो जाने पर शुरू दिन से 14 फ़ीसदी ब्याज, दंड ब्याज, जुर्माना और तरह-तरह के शुल्क लगाकर किसानों के ऊपर कर्ज का बोझ इतना लाद दिया जाता है। जिसे वह नहीं चुका पाता है।

ग्वालियर चंबल संभाग में भाजपा के नेताओं में चल रहा है शक्ति परीक्षण

ग्वालियर चंबल संभाग में भाजपा के नेताओं में चल रहा है शक्ति परीक्षण 7

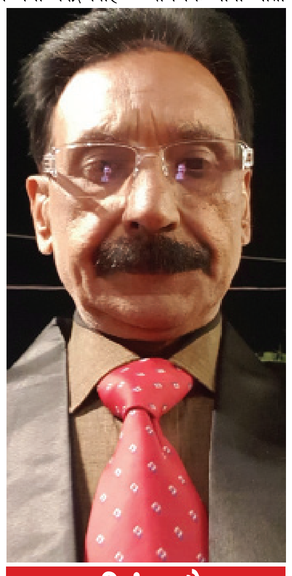

जय सिंह चौहान

जय सिंह चौहान मध्य प्रदेश में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार के ग्वालियर चंबल संभाग के दिग्गज नेताओं के बीच शक्ति परीक्षण चल रहा है एक तरफ केंद्रीय मंत्री और ग्वालियर के महाराजा जोत्र आदित्य सिंधिया है तो वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ग्वालियर के सांसद भरत सिंह के बीच राजनीतिक शक्ति परीक्षण चल रहा है आदित्य सिंधिया के कांग्रेस से भाजपा में आने के बाद ग्वालियर चंबल संभाग में मूलभूत भाजपा के जो बड़े नेता और कार्यकर्ता है और आरएसएस के जो नेता और कार्यकर्ता है वह सभी सिंधिया और उनकी टीम के सामने अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं क्योंकि आदित्य सिंधिया सांसद तो गुना शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से हैं लेकिन ग्वालियर के महाराजा है ग्वालियर के प्रभारी मंत्री सिंधिया के निकट सहयोगी तुलसीराम सिलावट है तो वही मध्य प्रदेश सरकार में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ग्वालियर से विधायक हैं यानी सरकार के मंत्री भी सिंधिया के हैं और सिंधिया खुद भी केंद्र में मंत्री हैं इसलिए प्रशासन पर सिंधिया की पकड़ मजबूत है ग्वालियर के सांसद भरत सिंह का यह आरोप है और उनके समर्थकों का भी है आप है कि ग्वालियर का सांसद होने के बाद भी अनेक प्रशासनिक कार्यक्रमों में उन्हें बुलाया ही नहीं जाता है ग्वालियर के सांसद होने के बावजूद अधिकारियों की बैठक अक्षर केंद्रीय मंत्री सिंधिया लेते हैं जिसमें सांसद भरत सिंह को बुलाया ही नहीं जाता इस तरह के आरोप लगाई जा रहे हैं सिंधिया के समर्थक और नेताओं का दोनों संभागों में बोलबाला है जिसके चलते भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में घुटन सी महसूस होने लगी है ग्वालियर के अनेक कार्यक्रमों में यह देखने को मिला है कि क्षेत्रीय सांसद भरत सिंह और केंद्रीय मंत्री जोत्र आदित्य सिंधिया के समर्थनों के बीच शक्ति परीक्षण देखने को मिला है फिर वह चाहे किसी शासकीय योजना का शिलान्यास या फिर किसी का उद्घाटन हो फिर चाहे वह रेल के शुभारंभ कई कार्यक्रम क्यों ना हो हरी झंडी दिखाने से लेकर ग्वालियर के विकास की बात हो सब में सिंधिया के समर्थक कहते हैं कि यह सिंधिया ने कराया है तो वहीं संसद के समर्थक कहते हैं कि हमारे सांसद ने कराया है सिंधिया और भारत सिंह की मौजूदगी में क्षेत्रीय सांसद भरत सिंह के नारे उनके समर्थक लगते हैं और सिंधिया देखते रहते हैं प्रशासनिक अम्ल की अगर बात करें तो कमिश्नर पुलिस आईजी से लेकर जिलों के कलेक्टर और एसपी भी सिंधिया और उनके मंत्रियों और उनके नेताओं को ज्यादा तवज्जो देते हैं इन तमाम सारी बातों से ग्वालियर में भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से दो भागों में बटी हुई दिखाई दे रही है पूर्व केंद्रीय मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जब से विधानसभा अध्यक्ष बने हैं तब से उन्होंने ग्वालियर चंबल संभाग में भी राजनीतिक रूप से अपनी भागीदारी कम कर दी है इससे भी भारतीय जनता पार्टी के जो मूल नेता और कार्यकर्ता है उनमें निराशा की भावना बढ़ गई है जब तक भारतीय जनता पार्टी की कमान खजुराहो के सांसद बीडी शर्मा के हाथ में थी तब तक भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर में एक और धड़े में बैठी हुई थी यह धड़ा बीडी शर्मा समर्थक माना जाता था और मध्य प्रदेश सरकार में पूर्व गृहमंत्री रहे नरोत्तम मिश्रा जब तक सरकार में मंत्री रहे ग्वालियर चंबल संभाग में एक धड़ा उनका भी सकरी था और नरोत्तम मिश्रा का उनका पूरा समर्थन और संरक्षण था लेकिन जब से डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा दतिया में विधायक का चुनाव हारे सरकार से बाहर हुए तब से डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा का प्रभाव उनका दबदबा और उनके प्रशासन में पड़ कमजोर ही नहीं हुई बल्कि खत्म हो गई है ऐसी स्थिति में बीडी शर्मा और डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा इन दोनों का धड़ा और नेता अपने आप को आशाह महसूस कर रहे हैं अब मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की कमान पूर्व सांसद और वर्तमान में बैतूल के विधायक संगठन में कुशल और मृदु भाषी कार्यकर्ताओं में मजबूत पकड़ रखने वाले हेमंत खंडेलवाल के हाथों में है निश्चित हेमंत खंडेलवाल को ग्वालियर में धडो में बाटी भारतीय जनता पार्टी को एक करने में बहुत मशक्कत करना पड़ेगी और भारतीय जनता पार्टी के मूल्य नेताओं और कार्यकर्ताओं को फिर से विश्वास दिलाना पड़ेगा कि भाजपा में उनके प्रभाव और उनका भजन और उनकी

जरूरत आज भी उतनी ही है जितनी कल थी नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ग्वालियर चंबल संभाग के संगठन आत्मक दौरे पर हैं निश्चित रूप से इस दौर में भी भारतीय जनता पार्टी के सिंधिया समर्थक भारत सिंह सांसद ग्वालियर के समर्थक और मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के समर्थक अपने-अपने हिसाब से प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल का स्वागत करने में पूरी शक्ति लगा देंगे और इस शक्ति परीक्षण से इन नेताओं और कार्यकर्ताओं के व्यवहार और उनके आचरण से प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को सच्चाई सामने आ जाएगी और इसके बाद हेमंत खंडेलवाल को अपने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और सिंधिया समर्थित वरिष्ठ नेताओं को बिठाकर समन्वय बनाने की और भेदभाव मिटाने की समझाइए देना पड़ेगी जिससे आने वाले समय में ग्वालियर चंबल संभाग में भाजपा गुटों में बटने के बजाय एक हो सके यदि भारतीय जनता पार्टी में इसी तरह का ग्वालियर चंबल संभाग में बिखराव रहा और शक्ति परीक्षण नेता और कार्यकर्ताओं के बीच में चला रहा तो निश्चित ही भारतीय जनता पार्टी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है ।

भारत माता का दुश्मन है चीन जिससे पास जाना देशहित में नहीं है

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन में सोमवार 15 जुलाई को 5साल बाद जाना देश के लिए शर्म की बात है चीन में रहते हुए, जयशंकर मंगलवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने से देश के प्रति स्नेह नहीं व्यापार हेतु जाना ठीक नहीं था उन्होंने ऐ भी कहा कि पिछले नौ महीनों में भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में अच्छी प्रगति हुई है, और उन्होंने सीमा पर तनाव के समाधान का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। हालाँकि, उन्होंने सीमा से जुड़े अन्य पहलुओं, जिनमें तनाव कम करना भी शामिल है, पर ध्यान देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। पाकिस्तान का ही नहीं बल्कि अब दूसरा दुश्मन देश बांग्लादेश का भी मित्र देश है चीन भारत का दोस्त नहीँ दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर मेँ खुल कर पाकिस्तान क़ो घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत क़ो नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर मेँ आतंकवादी क़ो भेज रहा है और इन आतंकवादी क़ो चीन हीं

हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत क़ो वहीँ जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात क़ो दर्शाता है कि आपकी नहीँ सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों का देश है और भारत किसी का गुलाम ठुड्डुद्धद्ध है कि वो सिखायेगा कि भारत क़ो क्या करना है भारत के सैनिको मेँ जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने क़ो तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये द्ध्रश अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिज़ाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश क़ो देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर क़ो हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल क़ो भी समझ आ गई होगी और रूस यूकेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर क़ो अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्ज़ा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मज़ाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका क़ो अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो क़ो पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम क़ो वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अतः ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से क़ोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश क़ो भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.चीन ने केवल भारत क़ो ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत क़ो भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार भी धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में है और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिन्सटर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध क़ो मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में है ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर बड़ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार क़ो न मान कर तिब्बत क़ो अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहबाही करते है जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है.वहाँ का तापमान -30 डिग्री में अपने जवान किस तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं और जिंदगी में क्या पाया भारत माता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था।

संजय गोस्वामी

न्यू मीडिया में हिंदी सामग्री में हो रही उल्लेखनीय प्रगति

डॉ. शैलेश शुक्ला

नवीन संचार तकनीकों की क्रांति ने जिस प्रकार से वैश्विक स्तर पर संवाद और अभिव्यक्ति के स्वरूप को परिवर्तित किया है, उसी परिवर्तन ने भारत जैसे बहुभाषिक देश की प्रमुख भाषा 'हिंदी' को भी एक नई पहचान और नई शक्ति दी है। पहले जहाँ हिंदी को पारंपरिक मीडिया - जैसे रेडियो, दूरदर्शन और प्रिंट पत्रकारिता तक सीमित देखा जाता था, वहीं आज न्यू मीडिया ने इसे बहुआयामी और वैश्विक मंच प्रदान किया है। हिंदी भाषा अब केवल साहित्यिक या प्रशासनिक सीमाओं में सिमटी नहीं रह गई, बल्कि उसने फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ब्लॉगिंग, पॉडकास्ट, ओटीटी, ऑनलाइन शिक्षा, वेब पत्रकारिता और डिजिटल मार्केटिंग जैसे सभी प्रमुख न्यू मीडिया प्लेटफार्मों पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज की है। इस लेख में हम हिंदी की डिजिटल यात्रा की इस उल्लेखनीय प्रगति का बहुआयामी मूल्यांकन करेंगे। न्यू मीडिया का सबसे प्रभावशाली पक्ष यह है कि यह विकेंद्रीकृत है, जन-सुलभ है और पारंपरिक नियंत्रणों से मुक्त है। यही कारण है कि हिंदी भाषा, जो लंबे समय तक शहरी अभिजात्य मीडिया में हाशिये पर थी, न्यू मीडिया के मंच पर केंद्र में आ गई है। आज एक साधारण ग्रामीण व्यक्ति भी अपने मोबाइल फोन से यूट्यूब चैनल बना सकता है, ब्लॉग लिख सकता है या फेसबुक पोस्ट के माध्यम से अपने विचारों को लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है - और वह भी अपनी मातृभाषा हिंदी में। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यूट्यूब पर मौजूद हजारों हिंदी चैनल हैं, जिनमें कृषि से लेकर राजनीति, शिक्षण से लेकर हास्य, खाना बनाने से लेकर टेक्नोलॉजी तक हर क्षेत्र की सामग्री हिंदी में बनाई जा रही है और करोड़ों दर्शकों तक पहुँच रही है। यही नहीं, हिंदी चैनल अब अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बीच भी लोकप्रिय हो रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि न्यू मीडिया ने हिंदी को सीमाओं से परे पहुँचाया है। यह प्रगति मात्र तकनीकी सुविधा का परिणाम नहीं है, बल्कि एक सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन की द्योतक है। डिजिटल युग ने लोगों की यह धारणा तोड़ दी है कि ज्ञान, संवाद और नवाचार केवल अंग्रेज़ी भाषा के दायरे में ही संभव हैं। न्यू मीडिया ने हिंदी को विचार और विमर्श की भाषा बना दिया है। हिंदी में न केवल मनोरंजन की सामग्री बन रही है, बल्कि गंभीर राजनीतिक विश्लेषण, साहित्यिक आलोचना, वैज्ञानिक संवाद, पर्यावरणीय विमर्श और स्त्रीवादी विचार भी डिजिटल रूप से अभिव्यक्त किए जा रहे हैं। उदाहरणस्वरूप, 'दी लल्लनटॉप' जैसे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ने हिंदी पत्रकारिता को एक नई ऊर्जा और शैली प्रदान की है। वहीं, 'द क्विंट हिंदी', 'गाँव कनेक्शन', 'हिंद किसान', 'जनचौक' आदि पोर्टल्स ने हिंदी में डिजिटल पत्रकारिता को विश्वसनीयता और विस्तार प्रदान किया है।

इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया ने हिंदी की रचनात्मकता को अभूतपूर्व मंच दिया है। फेसबुक पर रोज़ाना हजारों हिंदी कविताएँ, कहानियाँ, संस्मरण और विचार प्रकाशित होते हैं। ट्विटर पर सहिंदीकविता या सहिंदीशायरी जैसे ट्रेंड बतलाते हैं कि हिंदी साहित्य अब केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि डिजिटल संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। वहीं, इंस्टाग्राम और रील्स जैसे विजुअल माध्यमों पर भी हिंदी की लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

फीचर

लेखन में भी है रोजगार

अगर आपको किताबें पढ़ना और अपने मन की बात को डायरी में लिखना पसंद है तो आप लेखन में भी अच्छा करियर बना सकते हैं, और खूब सारे पैसे भी कमा सकते हैं। लेख्नन में करियर बनाना चाहते हैं तो बस इन तीन बातों को अपने दिमाग में रख लें।

क्रिएटिव बने

लेखन के लिए क्रिएटिव दिमाग का होना बहुत जरूरी है। जिसे किसी भी राइटिंग कोर्स के जरिए सीखा नहीं जा सकता जिस भाषा में आप लिखना चाहते हैं उसमें पकड़ लाने के लिए आपको अखबार, नॉवल, कहानियों को लगातार पढ़ते रहना होगा तभी आप लिखने में महारत प्राप्त कर पाएंगे। एक बाद याद रखें कोई भी लेखन लिखते वक्त जितनी बढ़िया वर्तनी होगी उतना ही मजबूत आपका लेख होगा.।

सीधे तरीके से लिखे

अक्सर पाठक घुमावदार तरीके से लिखे हुए लेखन को पढ़ने से बचते हैं। उन्हें वहीं पढ़ना पसंद है जिसमें बात साफ और सीधे तरीके से लिखी गई हो। इसलिए प्वाइंट टू प्वाइंट लिखने की आदत डालें, ताकि आप कम वाक्य में ज्यादा से ज्यादा जानकारी दें सकें। एक लेखक को सफलता तभी मिलती है जब वह ताजा मामलों पर लिखता है। ऐसा ना हो कि देश और दुनिया में कुछ और बात चल रही है और आप अपने पाठकों को कोई और बात परोस रहे हैं। दुनिया में क्या चल रहा है इसके लिए आपको सोशल मीडिया पर अपडेट रहना होगा। ताकि आप वही लिखें जो पाठक पढ़ना चाहतें हैं। जुलाई ईएमएस फीचर

प्रेरणा

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है।

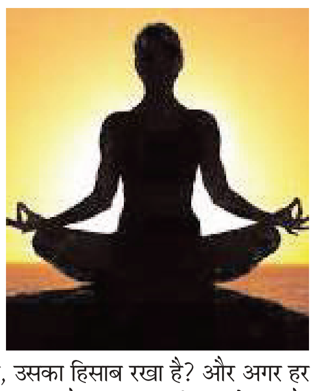

अपनी बात

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि हम कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते। विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है। यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केंद्र सरकार ने एनएलसीआईएल को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 7,000 करोड़ की भी मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने एनटीपीसी को ऊर्जा में निवेश के लिए 20,000 करोड़ की मंजूरी देने पर भी अपनी मुहर लगा दी है। मंत्रिमंडल ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए पीएम धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत हर वर्ष 24,000 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

डॉक्टरी की पढ़ाई करने के लिए रूस जाएं

भारत में विदेशों की तुलना में मेडिकल कॉलेजेस की भी काफी कम संख्या है और इसीलिए कई लोग विदेशों की ओर रुख करते हैं। रूस जैसा देश जो भारत का पुराना रणनीतिक सहयोगी रहा है, वहां भी मेडिकल कोर्सेज करने के लिए लोग स्वेच्छा से जाते हैं।

कई लोग इस गलतफहमी के शिकार होते हैं कि रूस से प्राप्त मेडिकल की डिग्री की बहुत वैल्यू नहीं होती है, तो आपको बता दें कि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट यानी एनसीआई और डब्ल्यूएचओ, यानी वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन रूसी यूनिवर्सिटी की डिग्री को मान्यता देते हैं। बेशक आज कॅरियर के चाहे जितने आप्शन उपलब्ध हों, किंतु हकीकत यह है कि आज भी डॉक्टरी जैसे ट्रेडिशनल कोर्स का काफी क्रेज है। आज भी डॉक्टरी में एडमिशन हर किसी को नहीं मिलता और जिनको मिलता है, उनको इसके लिए भारी-भरकम फीस चुकानी पड़ती है। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि डॉक्टरी का पेशा अपने आप में 'सेल्फ एंप्लॉयड' पेशा है। आपने कोर्स किया और आप बड़ा हॉस्पिटल नहीं, तो छोटा क्लीनिक खोल कर अपना काम जमा सकते हैं। भारत जैसे देश में जहां अभी भी डाक्टरों की भारी कमी है, लाखों लोगों पर डॉक्टरों की जितनी संख्या होनी चाहिए, उससे कम संख्या उपलब्ध है। भारत में विदेशों की तुलना में मेडिकल कॉलेजेस की भी काफी कम संख्या है और इसीलिए कई लोग विदेशों की ओर रुख करते हैं। रूस जैसा देश जो भारत का पुराना रणनीतिक सहयोगी रहा है, वहां भी मेडिकल कोर्सेज करने के लिए लोग स्वेच्छा से जाते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको नीट, यानी नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट पास करना जरूरी होता है। इसके बाद ही आप यहां दाखिला ले सकते हैं। 'रूस में 25 परसेंट सीट्स विदेशी छात्रों लिए आरक्षित हैं। भारत के छात्र जो रूस से पढना चाहते हैं, उनके मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के मुताबिक 50 परसेंट मार्क होने जरूरी हैं। अगर खर्च की बात करें तो रूस में मेडिकल की पढ़ाई करना अपेक्षाकृत कम सस्ता है। खासकर तब, जब अमेरिका या दूसरी यूरोपियन कंट्रीज से हम तुलना करते हैं। खास बात यह भी है कि रूस में अगर आप पढ़ाई करना चाहते हैं, तो मेडिकल कोर्सेज के लिए काफी सब्सिडी दी जाती है। एक अनुमान के मुताबिक, तकरीबन 12-13 लाख रुपए में आप मेडिकल का कोर्स भारत के इस 'मित्र देश' में आसानी से कर सकते हैं। खर्च के मामले में बता दें कि यह इंडिया के मुकाबले आधा ही पड़ता है।

जहां तक सब्सिडी की बात है, तो खुद कई यूनिवर्सिटीज को रूस की सरकार चलाती है, और इस वजह से वहां इंफ्रास्ट्रक्चर और दूसरी फैसिलिटीज भी गवर्नमेंट ही उपलब्ध कराती है। इसलिए आसानी से सब्सिडी भी मिल जाती है। अगर छात्रों की बात करें तो इसके लिए वहां एक डेडीकेटेड डिपार्टमेंट है, और वही हॉस्टल इत्यादि दूसरी सुविधाओं की देखरेख करता है। कई लोग इस गलतफहमी के शिकार होते हैं कि रूस से प्राप्त मेडिकल की डिग्री की बहुत वैल्यू नहीं होती है, तो आपको बता दें कि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट यानी एनसीआई और डब्ल्यूएचओ, यानी वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन रूसी यूनिवर्सिटी की डिग्री को मान्यता देते हैं। जाहिर तौर पर भारत में भी इसे मान्यता मिल ही जाती है। वैसे भी ज्ञान कहीं बेकार नहीं जाता है। अगर आप भी रूस से मेडिकल कोर्स करना चाहते हैं और कहीं पैसे की कमी आती है तो छात्रों को प्रोसेसिंग फीस पर ही तकरीबन ₹1000 की स्कॉलरशिप मिल जाती है, जो आपकी पढ़ाई के दौरान परफॉर्मेंस पर निर्भर करती है। दुनिया भर में जिस प्रकार से मेडिकल कोर्स की डिमांड बढ़ी है, उसने लोगों को इस और बड़ी संख्या में आकर्षित किया है। कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर से डॉक्टरों की अहमियत समझा दी है, बल्कि ठीक से समझा दी है। ऐसे में निश्चित रूप से मेडिकल कोर्सेज में लोगों का इंटरेस्ट बढेगा, इस बात में दो राय नहीं है।

लॉकडाउन के दौरान कुछ इस तरह डेवलप करें अपने प्रोफेशनल स्किल्स

स्किल्स को डेवलप करने के लिए जरूरी है आपका नियमित होना। हो सकता है कि आज उत्साह में आप सीखने का मन बना लें, लेकिन एक या दो दिन में ही बोर होने लग जाएं। इसलिए घर पर रहते हुए आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप रेग्युलर रहें।

एप का सहारा

कुछ नया सीखने के लिए घर से बाहर निकलने की जरूरत नहीं है, बल्कि आप ऑनलाइन वेबसाइट या एप के जरिए भी काफी कुछ सीख सकते हैं। मसलन, अगर आप कोई नई भाषा जैसे स्पेनिश, जर्मन, इटैलियन, डच, जापानी या रशियन लैंग्वेज सीखना चाहते हैं तो एप पर जाकर शुरूआत कर सकते हैं। इसकी मदद से कई विदेशी भाषाओं को बेहद आसानी से सीखा जा सकता है। इस तरह खाली समय में इंटरनेट आपके स्किल्स को डेवलप करने में मदद करेगा।

रहें रेग्युलर

स्किल्स को डेवलप करने के लिए जरूरी है आपका नियमित होना। हो सकता है कि आज उत्साह में आप सीखने का मन बना लें, लेकिन एक या दो दिन में ही बोर होने लग जाएं। इसलिए घर पर रहते हुए आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप रेग्युलर रहें। इसके लिए आप एक समय तय कर लें और हर दिन तय समय पर एक घंटा अपने स्किल्स को डेवलप करने में लगाएं। साथ ही आप यह भी सुनिश्चित करें कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद भी आप अपनी लर्निंग को बीच में नहीं छोड़ेंगे।

बनाएं नोट्स

भले ही आपकी लर्निंग ऑनलाइन हो, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आपके पास हार्डकॉपी कुछ भी ना हो। दरअसल, जब आप कुछ भी नया सीखें तो उसके छोटे-छोटे नोट्स बनाएं। साथ ही किसी भी कॉन्सेप्ट को अच्छी तरह सीखने व समझने के लिए आप प्रैक्टिस शीट भी खुद सॉल्व करें। इससे आपको समझ में आएगा कि आप किस हद तक उस कॉन्सेप्ट को समझ पाए हैं।

प्रोफेशनल सर्टिफिकेट

जब बात प्रोफेशनल स्किल्स को डेवलप करने की होती है तो इसमें प्रोफेशनल सर्टिफिकेट का काफी महत्व होता है। दरअसल, ऑनलाइन ऐसे भी कई प्रोफेशनल कोर्स मौजूद हैं, जो किसी खास क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए ही होते हैं और इसलिए अगर आप उस क्षेत्र से संबंध रखते हैं तो आप उस कोर्स को ज्वॉइन कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको थोड़ा खर्चा भी करना पड़ सकता है। लेकिन ऑनलाइन कोर्स कंप्लीट करने और एग्जाम क्लीयर करने के बाद आपको प्रोफेशनल सर्टिफिकेट मिलता है, जो आपके कॅरियरग्रोथ में अहम् भूमिका निभाता है।

आज के समय में विभिन्न कंपनियों को अपने बिजनेस में वृद्धि करने के लिए उसकी मार्केटिंग करनी पड़ती है। हर फर्म को सेल्स व मार्केटिंग के लिए प्रोफेशनल्स की जरूरत होती है। इन प्रोफेशनल्स की खासियत यह होती है कि बिजनेस व कंपनी के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। एक मार्केटिंग मैनेजर का काम सिर्फ सामान की बिक्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विज्ञापन, वितरण जैसे महत्वपूर्ण तथ्यों पर भी गौर करता है।

मार्केटिंग मैनेजमेंट के क्षेत्र में कुछ इस तरह बढ़ाएं अपने कदम

मार्केटिंग मैनेजमेंट क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी औपचारिक शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है। एमबीए की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। दरअसल, अधिकांश संस्थान एमबीए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में सेल्स व मार्केटिंग के बारे में सिखाते हैं। आज के समय में विभिन्न कंपनियों को अपने बिजनेस में वृद्धि करने के लिए उसकी मार्केटिंग करनी पड़ती है। हर फर्म को सेल्स व मार्केटिंग के लिए प्रोफेशनल्स की जरूरत होती है। इन प्रोफेशनल्स की खासियत यह होती है कि बिजनेस व कंपनी के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। एक मार्केटिंग मैनेजर का काम सिर्फ सामान की बिक्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विज्ञापन, वितरण जैसे महत्वपूर्ण तथ्यों पर भी गौर करता है। अगर आप भी चाहें तो इस मार्केटिंग मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में किसी भी प्रॉडक्ट को अच्छी तरह समझना आना चाहिए। साथ ही आपमें ग्राहकों के साथ व्यवहार करते समय धैर्य रखना चाहिए। इसके अलावा बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल, लीडरशिप क्वालिटी, टीम को मोटिवेट करते रहना, समस्याओं को समझना और उसे हल करने की भी क्षमता होनी चाहिए। क्विक थिंकिंग व हरदम नए आईडियाज आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे। इतना ही नहीं, एक मार्केटिंग मैनेजर को आत्मविश्वासी होना चाहिए और हमेशा करंट अफेर्यस से अपडेट रहना चाहिए और विज्ञापन और मर्चेंडाइजिंग तकनीकों से परिचित होना चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी औपचारिक शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है। एमबीए की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। दरअसल, अधिकांश संस्थान एमबीए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में सेल्स व मार्केटिंग के बारे में सिखाते हैं। किसी भी क्षेत्र में ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र मार्केटिंग में एमबीए कर सकते हैं। अधिक संस्थान में प्रवेश लिखित परीक्षा के आधार पर होता है। वैसे एमबीए के अलावा बीबीए, बीबीएम, डिप्लोमा कोर्स व पीजीडीएमसीएम अर्थात पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मार्केटिंग कम्युनिकेशन मैनेजमेंट करके भी आप मार्केटिंग, एडवरटाइजमेंट, एंटरटेनमेंट व ब्रांड मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं।

रोजगार की संभावनाएं

आज के समय में हर कंपनी अपना बिजनेस बढ़ाना चाहती हैं और इसके लिए उसे प्रोफेशल्स की जरूरत होती है। आप भी कई छोटी कंपनियां, बड़े कॉरपोरेट, सरकारी और गैर सरकारी संगठन, कंसल्टेंसी, पब्लिक रिलेशन एंजेसी में काम कर कर सकते हैं। इसके अलावा आप डिपार्टमेंट स्टोर, कंप्यूटर कंपनी, यूटिलिटी कंपनी, खाद्य उत्पादकों व मैन्युफैक्चरिंग फर्म्स आदि में भी जॉब तलाश सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद की कंसल्टेंसी फर्म भी खोल सकते हैं और विभिन्न आर्गेनाइजेशन को मार्केटिंग से संबंधित सलाह दे सकते हैं।

आमदनी

मार्केटिंग मैनेजमेंट एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें स्किल्ड पर्सन को काफी अच्छी सैलरी दी जाती है। इसमें आपको सैलरी के अलावा इनसेंटिव भी मिलता है। एक अच्छे बिजनेस स्कूल से एमबीए की डिग्री प्राप्त करने के बाद आप शुरूआत में तीन से 35 लाख सालाना कमा सकते हैं। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आपकी आमदनी पांच लाख रूपए सालाना हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
- जेवियर लेबर रिसर्च इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी

स्व-व्यवसाय की इच्छा रखते हैं तो एलआईसी एजेंट बनकर कमाएं पैसे

एलआईसी एजेंट बनने के लिए आपकी उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इसके अलावा आपका कम से कम दसवीं पास होना अनिवार्य है। एलआईसी एजेंट बनने के लिए आप सभी जरूरी डॉक्यूमेंट जैसे जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल सर्टिफिकेट व पैन कार्ड फार्म के साथ जमा करें। ऐसे बहुत से लोग हैं, जो अच्छी कमाई तो करना चाहते हैं, लेकिन उनके लिए नौ से पांच की जॉब करना संभव नहीं होता या फिर वह खुद का बॉस बनकर काम करना चाहते हैं। अगर आपकी भी ऐसी ही इच्छा है तो आप बतौर एलआईसी एजेंट बनकर अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

एलआईसी एजेंट बनना काफी आसान है और इसके जरिए आप आकर्षक आमदनी कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि एलआईसी एजेंट कैसे बनें और इसके लिए योग्यता क्या हो-

जरूरी योग्यता - एलआईसी एजेंट बनने के लिए आपकी उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इसके अलावा आपका कम से कम दसवीं पास होना अनिवार्य है। एलआईसी एजेंट बनने के लिए आप सभी जरूरी डॉक्यूमेंट जैसे जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल सर्टिफिकेट व पैन कार्ड फार्म के साथ जमा करें।

प्रक्रिया - अगर आप एलआईसी एजेंट बनना चाहते हैं तो आप अपने निकटतम एलआईसी शाखा कार्यालय में संपर्क करें और वहां डेवलपमेंट ऑफिसर से मिलें। वहां ब्रांच मैनेजर एक इंटरव्यू आयोजित करेंगे। अगर आप उसमें पास हो जाती हैं तो आपको प्रशिक्षण के लिये विभागीय या एजेंसी प्रशिक्षण केंद्र भेजा जायेगा।

प्रशिक्षण केन्द्र में आपको 25 घंटों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में जीवन बीमा व्यवसाय के सभी पक्ष सम्मिलित होते हैं।

प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद आपको पूर्व-लाइसेंसिग परीक्षा में बैठना होगा, जो भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अर्थात आईआरडीएआई द्वारा संचालित की जाती है।

परीक्षा के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद बीमा अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिये आईआरडीएआइ द्वारा अपॉइटमेंट लेटर और आईडेंटिटी कार्ड प्रदान किया जायेगा। इसके बाद आप ब्रांच ऑफिस द्वारा एजेंट के रूप में नियुक्त किये जायेंगे और आप अपने विकास अधिकारी के अधीन टीम का हिस्सा होंगे। विकास अधिकारी आपको फील्ड प्रशिक्षण और अन्य महत्वपूर्ण इनपुट उपलब्ध करायेंगे, जो आपके काम को आसान बनाने में मदद करेंगे।

स्किल्स - अगर आप लोगों से मिलना पसंद करते हैं और स्व-व्यवसाय की इच्छा रखते हैं तो आप एलआईसी एजेंट के रूप में अपना कॅरियर देख सकते हैं। इसके अलावा सेल्फ-मोटिवेशन, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स, जैसे कई योग्यताएं भी आपके करियर को सफल बनाने में मदद करते हैं।

आमदनी - अगर एक एलआईसी एजेंट की बात की आमदनी हो तो वह कोई निश्चित नहीं होती। आप जितना बेहतर काम करेंगे, आपकी आमदनी भी उतनी ही अधिक होगी। इसके अलावा एलआईसी एजेंट को उनकी परफार्मेंस के अनुसार रिवार्ड्स भी मिलते हैं।

दक्षिण कोरिया के येसान में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ का हवाई दृश्य।

ब्रीफ न्यूज

पांच दिन चले संघर्ष के बाद स्वैदा में सीजफायर, सीरिया ने वापस बुलाई सेना

दमिश्क। दक्षिणी सीरिया में पांच दिनों तक चले संघर्ष के बाद सीरिया ने सीजफायर पर सहमति जताई है। इसके साथ उसने स्वैदा शहर से अपनी सेना को वापस बुलाने का आदेश दिया है। इस बीच सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने ड्रूज नागरिकों और उनके अधिकारों की रक्षा करने को प्राथमिकता बताया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसका ऐलान किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पिछले सप्ताह के आखिर से चल रहे सांप्रदायिक संघर्ष में शामिल पक्ष युद्धविराम के लिए विशिष्ट कदमों पर सहमत हो गए हैं। इससे भयावह स्थिति का अंत हो जाएगा। इसके लिए सभी पक्षों को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना होगा और हम उनसे यही अपेक्षा करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दमिश्क पर इजराइली एयरस्ट्राइक के बाद अहमद अल-शरा ने ड्रूज नागरिकों से कहा था कि हम आपको किसी बाहरी पक्ष के हाथों में सौंपने के किसी भी प्रयास का विरोध करते हैं।

मुझे कुछ होता है तो आसिम मुनीर होंगे जिम्मेदारः पूर्व पीएम इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। इस बीच उन्हे मौत का डर सताने लगा है। उन्होने अपनी पार्टी के सदस्यों से कहा कि यदि जेल में उनके साथ कोई भी अनहोनी होती है तो उसके जिम्मेदार सेनाध्यक्ष प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर होंगे। वहीं क्रिकेटर से नेता बने 72 वर्षीय खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर खान को रिहा करने के लिए दबाव बनाने के लिए पांच अगस्त से पूरे देश में एक बड़े अभियान की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। खान की बहन अलीमा खान ने भी संवाददाताओं को बताया कि इमरान खान ने पीटीआई के सदस्यों को संदेश दिया है कि अगर जेल में उनके साथ कुछ भी होता है तो जनरल असीम मुनीर को उसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। खान ने कहा कि इसके लिए जवाबदेही होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वह पूरी तरह से जानते हैं कि एक कर्नल और जेल अधीक्षक असीम मुनीर के आदेश पर कार्रवाई कर रहे हैं।

फेंटानिल की तस्करी करने वालों को चीन मौत की सजा देः राष्ट्रपति ट्रंप

वॉशिंगटन/बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका चीन के साथ एक ऐसा समझौता करने को तैयार है, जिसके तहत चीन फेंटानिल की तस्करी करने वालों को मौत की सजा दे। ये वही ड्रग है जिसने हाल के वर्षों में अमेरिका को लाखों मौतों का सामना करने पर मजबूर कर दिया है। ट्रंप ने यह बयान ऐसे वक्त दिया है जब अमेरिका में ओपिऑइड संकट चरम पर है। इस संकट ने 2015 से अब तक करीब 4.5 लाख लोगों की जान ली है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मेरे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बहुत अच्छे संबंध हैं, लेकिन मैंने चीन पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाया क्योंकि वो फेंटानिल अमेरिका में भेजता है, मेक्सिको के रास्ते और सीधे हमारे देश में भी।

इजराइल ने दमिश्क पर किया हमला ड्रूज समुदाय की सुरक्षा का दिया हवाला

ये संकट पूरे मिडिल ईस्ट को खतरनाक मोड़ पर ले जा सकता है

एजेंसी ■ दमिश्क

ईरान से सीधा टकराव खत्म होते ही इजराइल ने मिडिल ईस्ट में नया युद्ध शुरु कर दिया है। इस बार सीधे सीरिया की राजधानी दमिश्क पर हमला किया है। बीते 24 घंटे में इजराइल ने सीरिया में 250 से ज्यादा एयरस्ट्राइक की। 6 तो सिर्फ सीरियन डिफेंस मिनिस्ट्री और सिक्योरिटी फोर्सेज के मुख्यालय पर की। दमिश्क का जनरल स्टाफ हेडक्वार्टर तबाह हो चुका है और इजराइल ने खुले तौर पर कहा है कि वह सीरिया की सीमाओं पर किसी भी सैन्य जमावड़े को बर्दाश्त नहीं करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि इजराइली पीएम नेतन्याहू, डिफेंस मिनिस्टर और आर्मी चीफ आपात बैठक करने वाले हैं। जहां कई दिनों तक चलने वाले संभावित युद्ध की रणनीति तैयार की जाएगी, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को और विस्फोटक बना रही है। सीरिया के अंदर दमिश्क के पास के ड्रूज-बहुल इलाके जरामाना में लोगों ने

सीरियाई झंडा उतारकर इजराइली झंडा लहरा दिया। इजराइल का दावा है कि उसके हमले ड्रूज समुदाय की रक्षा के लिए थे और यह समुदाय अब खुलकर इजराइल के समर्थन में सामने आ रहा है। जवाब में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने चेतावनी दी है कि इजराइली हमले वेस्ट एशिया की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाल रहे हैं और लेबनान सीरिया के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है। अब सवाल सिर्फ सीरिया-इजराइल का नहीं रहाज्अब ये संकट पूरे मिडिल ईस्ट को खतरनाक मोड़ पर ले जा सकता है।

बता दें सीरिया में रहने वाला ड्रूज समुदाय जो देश का तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक समूह है, अब वह केंद्र में आ गया है। 2010 की जनगणना के मुताबिक ड्रूज आबादी सीरिया की कुल जनसंख्या का करीब 3.2 फीसदी थी। यह समुदाय मुख्य रूप से दमिश्क के पूर्व और दक्षिण के ग्रामीण, पहाड़ी इलाकों माउंट ड्रूज क्षेत्र में केंद्रित है। ड्रूज एक एकेश्वरवादी और अब्राहमिक धर्म है जिसकी धार्मिक परंपराएं अलग और गुप्त हैं।

इजराइल ने दावा किया है कि दमिश्क और स्वेइदा में किया गया उसका हालिया हमला ड्रूज समुदाय की रक्षा के लिए है, जो वहां सीरियाई सेना और अन्य सशस्त्र गुटों के बीच जारी टकरावों में फंस गया है। इजराइली डिफेंस मिनिस्टर ने कहा कि हम ड्रूज की हत्या नहीं होने देंगे और अपनी सीमाओं के पास सैन्य जमावड़ा बर्दाश्त नहीं करेंगे, लेकिन क्या सिर्फ यही एक मुद्दा है जिस कारण इजराइल और सीरिया में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। नहीं, यरुशलम की अल-अक्सा मस्जिद भी एक ऐसा मुद्दा है जो दोनों देशों के बीच तनाव का कारण बना हुआ है। इजराइल ने पहले कई बार दावा किया कि ईरान, सीरिया में अपने लड़ाके और हथियार जमा कर रहा है, जिससे इजराइल की सीमा खतरे में है।

बता दें इजराइल और सीरिया की दुश्मनी की शुरुआत 1967 के सिक्स डे वॉर से हुई, जब इजराइल ने सीरिया से गोलेन हाइट्स का कब्जा कर लिया।

इजरायली हमलों के बाद भड़का सीरिया, राष्ट्रपति अल शरा बोले- देश तोड़ने की कोशिश

इजरायल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क स्थित सीरियाई सेना के मुख्यालय पर हवाई हमला कर दिया। ड्रूज समुदाय और सीरियाई अधिकारियों के बीच नए सिरे से युद्धविराम हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद इजरायल और सीरिया में संघर्ष बढ़ने की आशंका है। इजरायल का दावा है कि यह कार्रवाई सीरिया में रहने वाले अल्पसंख्यक ड्रूज समुदाय की रक्षा के लिए की गई है। ड्रूज समुदाय हाल के दिनों में सरकारी बलों और सुन्नी बेदौइन जनजातियों के बीच हिंसक झड़पों में बुरी तरह फंस गया है। इजरायल की सीमा से सटे इस इलाके में ड्रूज समुदाय की उपस्थिति पुरानी है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि 'दक्षिणी सीरिया से पूरी तरह सेना हटाई जानी चाहिए और अल-शरा की सेनाएं वहां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। ड्रूज नेता शेख मवाफक तारीफ ने इस संघर्ष को 'ड्रूज समुदाय के अस्तित्व की लड़ाई' बताया है और इजरायल से मदद मांगी थी।

ऑस्ट्रेलिया चोरी छिपे इजराइल को भेज रहा एफ-35 के पार्टस

रिपोर्ट से खुलासा, ऑस्ट्रेलिया पर युद्ध अपराध की कार्रवाई करने की मांग

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान-इजराइल युद्ध में अमेरिका इजराइल की मदद तो कर करता ही है, वहीं आस्ट्रेलिया ने भी चोरी छिपे इजराइल को एफ-35 लड़ाकू विमान के पुर्जे भेजे। अब खबर आ रही कि ऑस्ट्रेलिया इजराइल के एफ-35 लड़ाकू विमानों के लिए स्पेयर पार्ट्स भेज रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया गुपचुप तरीके से इजराइल को एफ35 फाइटर जेट के पार्ट्स मुहैया करा रहा है। जांच में पाया गया कि सिडनी से तेल अवीव जाने वाली उड़ानों में भेजे गए माल के कार्गो रिकॉर्ड में विमान के पुर्जे के रूप में दर्ज थे।

रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं है कि सिर्फ दो अलग-अलग शिपमेंट भेजे गए, या फिर ऑस्ट्रेलिया इजराइल के साथ एक बड़ा ट्रेड कर चुका है, जिसके तहत एफ-35 के पुर्जे उसे भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार 4 जुलाई को यह पुर्जे भेजे गए थे।

रिकॉर्ड बताते हैं कि विमान के पुर्जे सिडनी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर थाई एयरवेज की उड़ान टीजी472 के कार्गो होल्ड में लोड किए गए थे। यह उड़ान दोपहर 2~50 बजे बैंकॉक के लिए रवाना हुई थी और अल अल की उड़ान एलवॉय82 से जुड़कर तेल अवीव पहुंची, जो 6 जुलाई को उतरी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विमान के पुर्जों को पैकिंग बताया गया था और उन पर ईएआर99 लिखा था। यह मैसेज साफ तौर पर दिखाता है कि कोई अमेरिकी सामान भेजा जा रहा है। हालांकि पैकेज का वजन केवल एक किलो बताया गया था। दस्तावेज में कहा गया है कि विमान के पुर्जों का स्रोत एफ-35 लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन थी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने निकाली पुरानी दुश्मनी, सरकारी वकील को पद से हटाया

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन कुछ न कुछ करके चर्चा में बने हुए हैं। इस बार ट्रंप ने सरकारी न्याय विभाग में तैनात एक वकील को बिना किसी पूर्व सूचना के हटा दिया। उन्हें सिर्फ नोटिस ये दिया गया कि उन्हें राष्ट्रपति की विशेष शक्ति के तहत हटाया जा रहा है। ट्रंप ने अपने ही देश के न्याय विभाग में काम करने वाली एक होनहार वकील को रातों रात नौकरी से निकाल दिया। इसके पीछे कोई तर्क भी नहीं दिया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर एक मामूली वकील की राष्ट्रपति से क्या दुश्मनी? बता दें कि ये दुश्मनी ही है, जो डोनाल्ड ट्रंप को अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके मॉरीन कोमी को पद से हटा दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वकील मॉरीन को बिना कोई कारण बताए हटा दिया। सूत्रों की मानें तो उन्हें एक मेमो मिला जिसमें राष्ट्रपति

की कर्मचारियों को हटाने की शक्ति का जिक्र था। उनकी बर्खास्तगी को लेकर कहा जा रहा है कि ट्रंप और उनके पिता की पुरानी दुश्मनी थी। वकील मॉरीन के पिता को साल 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एफबीआई निदेशक पद से हटा दिया था। ट्रंप ने 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में कथित रूसी हस्तक्षेप की जांच में उनकी भूमिका को लेकर आलोचना की थी। ट्रंप ने इस चुनाव में जीत हासिल की थी।

साल 2022 में दो लोगों को नाबालिग लड़कियों के शोषण में मदद करने के लिए 20 साल की सजा दिलाने की वजह से मौरीन मशहूर हो गई थी। एप्सटीन एक रईस फाइनेंसर और मॉलेस्टेशन का अपराधी था, जिसने साल 2019 में जेल में आत्महत्या कर ली थी। मौरीन एप्सटीन मामले में इनवॉल्व रह चुकी हैं, ऐसे में उनकी बर्खास्तगी को इससे जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल ट्रंप ने एप्सटीन और उनके हाई-प्रोफाइल सहयोगियों से जुड़े दस्तावेज जारी करने का वादा किया था, लेकिन अचानक इससे पीछे हट गया।

वहीं एलन मस्क ने अपने विवादित पोस्ट में दावा किया था कि खुद ट्रंप इन का नाम इस कांड में शामिल है. ऐसे में मॉरीन की बर्खास्तगी कई सवाल खड़े कर रही है, जो अमेरिका के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर सकती है।

अमेरिका के अलास्का में 7.3 तीव्रता का आया जोरदार भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राज्य अलास्का में जोरदार भूकंप आया है। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.3 है, जो कि काफी खतरनाक है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसकी जानकारी दी है। भूकंप के बाद अलास्का के लोगों पर एक और खतरा मंडरा रहा है। भयावह भूकंप के कारण अब पूरे इलाके में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। भूकंप इतना तेज था कि धरती डोलने लगी। लोग थर्र-थर्र कांपने लगे और घरों से बाहर निकल सड़क की ओर भागने लगे।

यूएसजीएस यानी अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, बुधवार को अमेरिकी राज्य अलास्का के तट पर दोपहर 12 बजकर 37 मिनट पर 7.3 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र द्वीपीय शहर सैंड पॉइंट से करीब 87 किलोमीटर दक्षिण में स्थित था। भूकंप का केंद्र अपेक्षाकृत कम गहराई पर 20.1 किलोमीटर की गहराई पर था।

सड़क पर भिड़ गए अवामी लीग और नेशनल सिटिजन पार्टी के कार्यकर्ता

सेना ने संभाला मोर्चा

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश में जब से शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट हुआ है, तब से शायद ही कोई दिन ऐसा दिन गया हो जब बांग्लादेश में विरोध, हिंसा या अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमला ना हुआ हो। एक बार फिर बांग्लादेश के गोपालगंज की सड़कों पर तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला। बांग्लादेश की सेना को अपने बख्तरबंद गाड़ियों के साथ सड़कों पर उतरना पड़ा और गोलीबारी की घटना को अंजाम देना पड़ा। घटना गोपालगंज में नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की रैली पर हमले के बाद हुई। बांग्लादेश मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेशनल सिटिजन पार्टी की रैली में शेख मुजीबुर रहमान के खिलाफ नारेबाजी के बाद हिंसा भड़की। इस हमले के पीछे यूनुस सरकार ने अवामी लीग की छात्र

इकाई – छात्र लीग और अवामी लीग के कार्यकर्ताओं के शामिल होने की आशंका जताई है। सोशल मीडिया पर सेना की कार्रवाई की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि बांग्लादेश की सेना बख्तरबंद गाड़ियों के साथ सड़कों पर मौजूद है। कुछ वीडियो में सेना को सीधे फायर करते हुए भी देखा जा सकता है। इसके अलावा एक प्रदर्शनकारी को चार सैनिक घसीटते हुए ले जाते हुए भी दिख रहे हैं।

हिंसा को लेकर मोहम्मद यूनुस की तरफ से एक बयान जारी किया गया है। इस बयान में कहा गया है कि गोपालगंज में हुई हिंसा पूरी तरह से निंदनीय और अस्वीकार्य है। यह बेहद शर्मनाक है कि युवाओं को उनकी शांतिपूर्ण रैली आयोजित करने से रोका गया। यह रैली उनके क्रांतिकारी आंदोलन की पहली वर्षगांठ की याद में आयोजित की जा रही थी।

धोखा सेक्स किया फिर ऐंठ लिए 100 करोड़

महिला ने बौद्ध भिक्षुओं को प्यार के जाल में फंसाया

एजेंसी ■ बैंकॉक

थाईलैंड में एक महिला ने बौद्ध भिक्षुओं को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे सौ करोड़ रुपए ऐंठ लिए। इससे पहले महिला ने इन साधुओं के साथ सेक्स किया और ब्लैकमेल करना शुरु कर दिया। खबर है कि पहले लुभा कर सेक्स में फंसाने और ब्लैकमेल के इस खेल के जरिए करीब 385 मिलियन बाथ की उगाही की गई है।

भारतीय मुद्रा में यह रकम 100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, रॉयल थाई पुलिस सेंट्रल

इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने बताया कि इस कांड में शामिल कम से कम नौ बौद्ध भिक्षुओं और वरिष्ठ भिक्षुओं को भिक्षु पद से हटा दिया गया है। पुलिस ने बताया कि उत्तरी थाईलैंड स्थित एक बौद्ध मंदिर के बैंक खाते से एक वरिष्ठ भिक्षु की तरफ से विलावान एम्सावत के खाते में भेजी गई धनराशि का भी पता चला है। लगभग 35 वर्षीय विलावान एम्सावत को राजधानी बैंकॉक के उत्तर में नोंथबुरी प्रांत स्थित उसके घर से जबरन वसूली, धन शोधन और चोरी का सामान लेने के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। अपनी गिरफ्तारी से पहले विलावान ने ऐसे एक संबंध की बात स्वीकारी थी और कहा था कि उसने उस बौद्ध भिक्षु को पैसे दिए थे। गिरफ्तारी के बाद से विलावान ने कोई बयान नहीं दिया है और यह स्पष्ट नहीं है कि उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वकील है या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि विलावान ने वित्तीय लाभ के लिए जानबूझकर वरिष्ठ भिक्षुओं को निशाना बनाया। पुलिस ने पाया कि प्रेम संबंध शुरू करने के बाद कई भिक्षुओं ने बड़ी धनराशि विलावान को ट्रांसफर की थी। पुलिस ने बताया कि पिछले तीन साल में विलावान के बैंक खाते में 1.19 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि प्राप्त हुई लेकिन इसमें से अधिकतर राशि ऑनलाइन जुए वाली वेबसाइट पर खर्च की गई। सेंट्रल इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो के उपायुक्त जारूनकियात पंकेव ने कहा कि जांच पिछले महीने तब शुरू हुई जब बैंकॉक के एक प्रसिद्ध बौद्ध मंदिर के वरिष्ठ भिक्षु ने अचानक अपना पद छोड़ दिया। रिपोर्ट के अनुसार, जारूनकियात ने बताया कि जांचकर्ताओं ने पाया है कि विलावान ने एक भिक्षु से कहा था कि वह गर्भवती है और मदद के लिए 7.2 मिलियन बाथ मांगे थे।

पति की प्रताड़ना और ससुर के यौन शोषण से परेशान महिला ने शारजाह में की आत्महत्या

एजेंसी ■ शारजाह

केरल की एक महिला शादी के बाद यूएई के शारजाह में रहने लगी थी। यहां उसे प्रताडित किया गया। ससुर यौन शोषण करता था और पति मारपीट। अंततः परेशान महिला ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी। केरल की रहने वाली 33 वर्षीय महिला के फेसबुक अकाउंट पर मिला एक सुसाइड नोट इस पूरी घटना की भयावह सच्चाई उजागर करता है, जिसमें उसने पति, ससुर और ननद पर यौन शोषण, दहेज उत्पीड़न और मानसिक यातना जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला द्वारा सोशल मीडिया पर छोड़े गए सुसाइड नोट में ससुराल के लोगों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सुसाइड नोट के मुताबिक, दहेज की लगातार मांग की जाती थी और मना करने पर पीटा जाता था। पति की मौन सहमति से ससुर द्वारा यौन शोषण किया जाता था। पति अश्लील वीडियो दिखाकर यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डालता था। पति कहता था, मैंने तुमसे सिर्फ अपने लिए नहीं अपने पिता के लिए भी शादी की है। गोरे रंग के कारण पति और परिवार द्वारा सिर मुंडवाया गया ताकि वह कम आकर्षक लगे।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न

भोपाल। पुलिस महानिदेशक महोदय के निर्देशन में समस्त प्रदेश में संचालित नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत, जिला भोपाल ग्रामीण पुलिस द्वारा आज दिनांक 18 जुलाई 2025 को सैम कॉलेज, आदमपुर (थाना बिलखिरिया) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस उपमहानिरीक्षक (ग्रामीण) श्री ओ.पी. त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक भोपाल ग्रामीण श्री प्रमोद कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. नीरज चौरसिया एवं कॉलेज के संचालक श्री हरप्रीत सलूजा ने युवाओं को नशे/ड्रग्स के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए, समाज के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री प्रमोद कुमार सिन्हा द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। शपथ में विद्यार्थियों ने स्वयं को मादक पदार्थों से दूर रखने, अपने परिवार एवं समाज को जागरूक करने, तथा नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सेम कॉलेज के 400 से अधिक नर्सिंग विद्यार्थियों ने भाग लेकर एक नशामुक्त, स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान रक्षित निरीक्षक श्याम किशोर झरवडे, थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान, थाना स्टाफ, शिक्षण संस्थान का स्टाफ उपस्थित रहा। यह आयोजन जिला भोपाल ग्रामीण पुलिस द्वारा युवाओं में नशे/ड्रग्स के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

कीचड़ और बिजली की समस्या से जूझ रहे ग्रामीण के लोग

सड़क निर्माण की मांग को लेकर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के लगा रहे चक्कर

रंजीत ठाकुर की रिपोर्ट विदिशा। शमशाबाद तहसील के ग्राम फतेहपुर के ग्रामीण पिछले 10 वर्षों से सड़क न होने के कारण काफी परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण करने की मांग को लेकर आवेदन दे चुके हैं, लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अब ग्रामीणों का कहना है कि भोपाल सीएम हाउस में जाकर सड़क निर्माण करने की मांग करेंगे। शमशाबाद तहसील के ग्राम फतेहपुर के ग्रामीण करीब 2 किलोमीटर सड़क की खस्ताहाल स्थिति से जूझ रहे हैं। सड़क की हालत इतनी खराब है कि गांव तक दो पहिया वाहन बड़ी मुश्किल से पहुंच पा रहा है। ऐसे में चार पहिया वाहन और बड़े वाहन गांव तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। जिसके चलते ग्रामीण काफी परेशान है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में सड़क, बिजली और पानी की समस्या से परेशान हैं। समंदर सिंह यादव, प्रशांत यादव, कमल सिंह यादव ने कहा कि सड़क निर्माण और बिजली समस्या को लेकर तहसील कार्यालय से कलेक्टेट में तक आवेदन दे चुके हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है। अब तक किसी भी अधिकारी ने उनकी समस्या को हल करने की ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। वहीं महिलाओं का कहना है कि जब से शादी करके इस गांव में आई हैं तब से कीचड़ भरे रास्ते से ही आना-जाना कर अपना जीवन यापन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी उम्र करीब 70 वर्ष हो चुकी है, लेकिन हमारे गांव तक अब तक पक्की सड़क नहीं बन सकी है। उन्होंने कहा कि हमें तो ऐसा लगता है जैसे हम लोग कीचड़ से ही गुजर-गुजर कर इस दुनिया को अलविदा कह देंगे। इसके साथ ही नई युवा पीढ़ी भी बचपन से लेकर अब तक कच्ची सड़क के सहारे ही आना-जाना कर रही हैं और वह जवान हो चुके हैं, लेकिन गांव में अब तक पक्की सड़क नहीं पहुंच पाई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बड़े-बड़े वादे किए जा रहे हैं की हर गांव में सड़क और बिजली, पानी आदि की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं लेकिन हमारे गांव से न जाने क्या दुश्मनी है कि अब तक हमारा गांव पक्की सड़क से नहीं जुड़ पाया है

बच्चों की शादी करने में आ रही परेशानी

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पक्की सड़क न होने के कारण उनके बेटा-बेटियों की शादी करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि गांव तक पहुंचाने के लिए पक्की सड़क नहीं है इसलिए समाज के रिश्तेदार गांव में आते हैं और गांव की स्थिति देखकर चुपचाप चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमें न जाने किस अभिशाप की सजा मिल रही है, जिसके चलते हमारे गांव को लोग अब राधा रानी कुंड के नाम से पुकारते हैं। उन्होंने कहा कि जिले के छोटे से छोटे गांव पक्की सड़क से जुड़ चुके हैं, लेकिन हमारा गांव एक ऐसा है यहां अब तक पक्की सड़क नहीं बन सकी है उन्होंने सड़क को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि रिश्तेदार अपनी बेटी को कीचड़ वाले गांव में शादी नहीं करना चाहते ऐसे ही अगर चला रहा तो हमारे गांव के युवाओं की शादी कैसे होगी वह एक विकराल समस्या बन गई है।

कीचड़ से गुजरकर स्कूल जाते हैं बच्चे

ग्राम फतेहपुर में पक्की सड़क न होने के कारण स्कूल जाने वाले बच्चे कीचड़ से होकर गुजर कर जाते हैं बच्चों का कहना है कि स्कूल गांव से करीब 100 मीटर दूर बना है और गांव की जो सड़क है वह काफी खराब है और कच्ची सड़क होने के कारण उसे पर कीचड़ हो रही है। ऐसे में हम लोग स्कूल जाते हैं तो कई बार पैर फिसलकर कीचड़ में गिर जाते हैं। जिससे हमारे कपड़े और किताबें खराब हो जाती है। उन्होंने कहा कि स्कूल जाने और आने के लिए कच्चे रास्ते से ही होकर गुजर कर जाना पड़ता है क्योंकि स्कूल जाने के लिए और कोई दूसरा रास्ता नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि मजबूरी है बच्चों को पढ़ाना इसीलिए कीचड़ वाले रास्ते से ही बच्चों को स्कूल भेजते हैं। सड़क निर्माण करने के लिए सभी से मांग कर चुके हैं पर हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि जैसे-तैसे हमारी जिंदगी तो कीचड़ भरे रास्ते से जाना-आना कर गुजर गई, लेकिन हम चाहते हैं कि आगे की आने वाली युवा पीढ़ी को पक्की सड़क नसीब हो सके और वह पढ़ लिखकर आगे बढ़ सके।

कलेक्टर श्री सिंह ने किया उमरेठ क्षेत्र में चल रही योजनाओं और नवाचारों का निरीक्षण

हर्रई छिंदवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ शरद सेन की रिपोर्ट। छिंदवाड़ा कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह ने आज उमरेठ क्षेत्र के ग्राम रिधोरा और छाबड़ी कला का दौरा कर उद्यानिकी एवं कृषि क्षेत्र में चल रही योजनाओं और नवाचारों का निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले ग्राम रिधोरा में पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग द्वारा स्थापित फ्लोर मिल का अवलोकन किया। यह मिल ग्रामीण स्तर पर किसानों की उपज के स्थानीय प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक अहम कदम है। इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम छाबड़ीकला में एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत फसल उपरांत प्रबंधन घटक के अंतर्गत नव निर्मित हनु कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण किया, जिसका निर्माण कृषक श्री देवेंद्र कुमार डोबलेकर द्वारा किया गया है। यह शीतगृह क्षेत्र के किसानों को फसल भंडारण की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने में सहायक सिध्द होगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छाबड़ी कला में लगी स्वीट कॉर्न फसल का भी जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि उमरेठ क्षेत्र में लगभग 15,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में किसानों द्वारा स्वीट कॉर्न की खेती की जा रही है। यह फसल मात्र 70 से 75 दिनों में तैयार हो जाती है, जिससे किसानों को प्रति एकड़ औसतन 25 से 30 हजार रुपये तक की आय होती है। यह फसल क्षेत्र के कृषकों के लिए लाभकारी विकल्प बन चुकी है। स्वीट कॉर्न व मक्का की खेती छिंदवाड़ा जिले के परासिया, मोहखेड़, बिछुआ, अमरवाड़ा जैसे ब्लॉकों में भी बड़े पैमाने पर की जा रही है। यहां की उपज न केवल मध्यप्रदेश के भोपाल, जबलपुर, इंदौर, रीवा, सतना जैसे जिलों में पहुंचाई जाती है, बल्कि छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में भी इसकी भारी मांग है राधेकृष्ण गौशाला का भी किया निरीक्षण- कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जनपद पंचायत परासिया की ग्राम पंचायत बीजकवाड़ा के ग्राम कचराम में राधेकृष्ण गौशाला का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह द्वारा हनु कोल्ड स्टोरेज एवं राधेकृष्ण गौशाला में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर उप संचालक कृषि श्री जितेन्द्र सिंह, उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार, डीन उद्यानिकी महाविद्यालय डॉ. आर.सी.शर्मा, कृषि विज्ञान केंद्र चंदनगांव के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.पी.के. श्रीवास्तव, केवीके देलाखारी के डॉ.आर.एल.राउत, एसडीएम परासिया श्री पुष्पेंद्र निगम सहित कृषक श्री दिमागचंद पवार, श्री रामप्रसाद पवार, श्री दिनेश पवार, श्री गोलनलाल पवार, श्री दिनेश यदुवंशी एवं क्षेत्रीय किसान एवं अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा नशे के विरूद्ध विशेष अभियान निकाली रैली

सीएम राइस सांदीपनी शासकीय स्कूल के छात्र छात्राओं,ओर शिक्षक शिक्षिकाओं ने पुलिस संग निकली रैली

लटेरी विदिशा दैनिक अखबार खबरों की रोशनी रिपोर्ट मुनव्वर खान। विदिशा पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री डॉ0 प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी श्री अमरेश बोहरे के दिशा निर्देशन में थाना लटेरी जिला विदिशा द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लटेरी प्राचार्य श्री रामेश्वर शर्मा एवं समस्त शिक्षक सी एम राइस (सांदीपनी) शासकीय विद्यालय लटेरी,सीएमओ एवं शासकीय कर्मचारी भी उपस्थित रहे दिनांक- 15.07.2025 से 30.07.2025 तक नशे के विरूद्ध नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाया जा रहा है। नशा मुक्ति जन जागृति अभियान के दौरान नशे के दुष्परिणाम के बारे में आम जन को जागरूक करने के तारतम्य में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लटेरी से जय स्तंभ चौक, सिरोंज चौराह तक रैली का आयोजन किया गया। नशामुक्ति जनजागृति अभियान नशे से दूरी है जरूरी के दौरान कार्यक्रम में सीएमओ,सीएचसी स्टाफ,समस्त थाना स्टाफ, पत्रकार ,सरपंच, जनप्रतिनिधि, स्कूल प्राध्यापक, छात्र एवं छात्राएं, ग्राम/नगर रक्षा समिति सदस्य, एवं समाज का हर वर्ग रैली में शामिल रहा।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान (90 दिवस विशेष अभियान) के संबंध में प्रधान जिला न्यायाधीश, कोरबा/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा द्वारा न्यायाधीशों के साथ ली गई तृतीय बैठक

जिला रिपोर्टर फैज मोहम्मद कोरबा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के सहयोग से विशेष मध्यस्थता अभियान राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अंतर्गत श्री एस. शर्मा, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा की अध्यक्षता में जिला न्यायालय कोरबा में पदस्थ समस्त न्यायाधीशों एवं विडियो कांफेंसिंग के माध्यम से व्यवहार न्यायालयों कटघोरा, पाली एवं करतला में पदस्थ न्यायाधीशगण के साथ तृतीय बैठक विडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष में आयोजित की गई। प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा के द्वारा उद्बोधन में कहा गया है कि मध्यस्थता के लिए मामलों की श्रेणियों में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलु हिंसा, चेक बाउंस मामले, वाणिज्यिक विवाद, सेवा विवाद के मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली मामले, विभाजन और बेदखली मामले, भूमि अधिग्रहण मामले आदि शामिल है। मध्यस्थता एक विवाद समाधान की सहज, त्वरित और विश्वासपूर्ण प्रक्रिया है। और यह न्यायालय से बाहर समाधान के प्रति जन जागरूकता हेतु एक प्रयास है। मध्यस्थता से लंबित मामलों की संख्या में कमी लाई जा सकती है और पक्षकारों को संतोषजनक समाधान प्राप्त हो सकता है। उक्त बैठक में मध्यस्थता केन्द्रों की भूमिका, प्रक्रिया और मामलों की पहचान से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा- निर्देश दिए गये। प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधि सेवा प्राधिकरण, कोरबा के द्वारा समस्त न्यायाधीशों को अधिक से अधिक प्रकरणों को चिंहाकित कर मध्यस्थता हेतु रिफर करने हेतु निर्देशित किया गया । तथा इस अभियान का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर आमजनों तक सूचना पहुंचाने के संबंध में भी निर्देशित किया गया। पैरालीगल वॉलंटियर के माध्यम से मध्यस्थता के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु सार्वजनिक स्थलों पर चौक चौराहों पर लोगों को मध्यस्थता के लाभ की जानकारी प्रदाय करने एवं प्रींटिंग व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से इस अभियान का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर आमजनों तक सूचना पहुंचाने हेतु निर्देशित किया गया । उक्त बैठक में जिला न्यायालय कोरबा में पदस्थ समस्त मान. न्यायाधीशगण एवं बाह्य न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीशगण विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

भास्कर समूह द्वारा कलेक्टर परिसर में आयोजित कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया

मुस्तकीम मुगल खबरों की रोशनी अलीराजपुर। भास्कर समूह के द्वारा आयोजित उम्मीद का बीज बोकर धरती को फिर हरा-भरा बनाएंगे थीम के तहत कलेक्टर परिसर में कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर द्वारा वृक्षारोपण किया इस दौरान कलेक्टर डॉ बेडेकर ने भास्कर समूह द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि हम सभी को प्रकृति का ध्यान रखना चाहिए भविष्य को ध्यान में रखते हुए हम सभी को अधिक से अधिक मात्रा में पौधारोपण कर प्रकृति को सहेजना चाहिए । इस थीम के तहत डिप्टी कलेक्टर सुश्री निधि मिश्रा एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री गोपाल मेलाना ने भी वृक्षारोपण किया इस दौरान भास्कर समूह से श्री जावेद मोहम्मद श्री गौरव मेलाना कलेक्टर स्टेनो श्री महेश तोमर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे ।

बैतूल का 'विवादवीर यंत्री' फिर लौट आया

जिले से अटूट प्रेम या विवादों का वीआईपी पास

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बैतूल और मुलताई में सहायक यंत्रियों के तबादले भले ही कार्य सुविधा की दृष्टि से किए गए हों, लेकिन इस कहानी में ट्विस्ट उतना ही दिलचस्प है जितना किसी पुराने धारावाहिक में होता है। जी हां, वो साहब जिनका नाम लेते ही विवाद खुद सलाम ठोकते हैं, वो फिर उसी जनपद पंचायत में लौट आए हैं जहां से कभी विवादों का ऐसा तूफान उठा था कि उन्हें चंबल भेजना पड़ा था।सोचिए, जब जनपद में बवाल मचा, शिकायतों की बाढ़ आई, सरपंच संघ तक ने मोर्चा खोला और माहौल गर्मा गया, तब इन्हें जिले से बाहर ट्रांसफर कर दिया गया। लेकिन लगता है बैतूल की माटी में कुछ ऐसा जादू है कि ये साहब बाहर रह ही नहीं पाते। चंबल में ज्यादा दिन मन नहीं लगा और जुगाड़ की सीढ़ियां चढ़ते हुए फिर लौट आए बैतूल। नई जनपद पंचायत में पहुंचे, वहां भी विवादों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा, फिर से शिकायतें, फिर से अटैचमेंट और फिर एक और जनपद। मगर वहां भी वही हाल—काम कम, बवाल ज्यादा। सरपंच संघ ने फिर से शिकायती सुर छेड़े और लोग फिर बोले भइया, अब इनसे पीछा छुड़ाओ! लेकिन कहानी में सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आया जब ये साहब फिर उसी पुरानी जनपद पंचायत में घर वापसी कर गए जहां से कभी विवादों की शुरुआत हुई थी। अब ये जिले में चर्चा का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है कि आखिर ऐसा कौन सा लगाव है बैतूल से जो इन्हें बाहर जाने नहीं देता क्या ये सिर्फ तबादला लीला है या जिले से गहरा 'लव अफेयर' लोग कहते हैं जहां ये यंत्री जाते हैं, वहां विवाद पहले से आरती उतारकर इंतजार करते हैं। ऐसा लगता है जैसे विवादों से इनका चोली-दामन का साथ हो। जिस जनपद में पहुंचे, वहां शिकायतों की झड़ी लगी, सरपंच संघ से लेकर कर्मचारियों तक सबने आवाज उठाई और फिर भी नतीजा वही पुराने पत्ते फेंटकर फिर से उसी जगह तैनाती! मानो कोई अदृश्य शक्ति हमेशा इन्हें जिले से जोड़कर रखती है।अब सबकी नजरें टिकी हैं कि इस बार जनपद में इनका नया अध्याय कैसा होगा। क्या पहले की तरह विवादों की नई स्क्रिप्ट लिखी जाएगी या फिर 'सुधरे हुए यंत्री' का कोई नया प्रयोग देखने को मिलेगा जो भी हो, इतना तय है कि बैतूल की ये गाथा बिना इनके विवादों के अधूरी है। आखिरकार लोग अब भी यही पूछ रहे हैं—ये बैतूल में ऐसा क्या है जो इन्हें बाहर नहीं जाने देता कोई बूझे तो जाने!

13 मध्यप्रदेश बटालियन के सात एनसीसी केडिट्स थल सेना कैंप में भोपाल ग्रुप का प्रतिनिधित्व करेंगे जिसमें सर्वाधिक समेरिटंस के है

नर्मदापुरम। 13 एमपी बटालियन के कमान अधिकारी के निर्देशन में भोपाल में 10 जुलाई से आयोजित थल सेना कैंप प्रशिक्षण में13 मध्यप्रदेश बटालियन नर्मदापुरम के 10 एनसीसी केडिट्स शामिल हुए थे जिसमें भोपाल ग्रुप की सभी बटालियन के लगभग 100 से अधिक एनसीसी केडिट्स प्रशिक्षण में शामिल हुए, केडिट्स को हर तरह की सैन्य प्रशिक्षण जिसमें फायरिंग, अनुशासन, देश सेवा व्यक्तिगत विकास पर केडिट्स की जानकारी ली जो केडिट्स सिलेक्ट हुए वो भोपाल ग्रुप की टीम में शामिल हुए है जो थल सेना कैंप ग्वालियर में 18 जुलाई से 28 जुलाई 25 तक अपना प्रदर्शन दिखाएंगे । जिसमें सर्वाधिक 7 केडिट्स 13 एमपी बटालियन के है और 4 एनसीसी केडिट्स समेरिटंस स्कूल के है। थल सेना कै समेरिटंस के चार होनहार एनसीसी केडिट्स में निहाल अहिरवार ,केशव श्रीवास्तव, युवराज यादव,वत्सल पांडे है, ये सभी हवलदार अनिल कुमार के साथ गए हैं।संस्था निर्देशक डा आशुतोष कुमार शर्मा , प्राचार्य प्रेरणा रावत ने बताया कि ये केडिट्स की कड़ी मेहनत ,कठोर परिश्रम का परिणाम है।सेकेंड अफसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि केडिट्स की सफलता पूर्वक लक्ष्य हासिल करने में संस्था एवं 13 एमपी बटालियन के नायब सूबेदार रामवतार सिंह एवं साथी पी आई स्टाफ का काफी योगदान है जिनके सानिध्य में केडिट्स ने प्रशिक्षण लिया।पिछले वर्षों की तरह फिर संस्था का नाम एनसीसी केडिट्स द्वारा ऊंचा करने पर एवं उनकी उपलब्धि पर संस्था के एनसीसी

मैनेजर प्रदीप कुमार यादव, एनसीसी अधिकारी स्नेहा उपाध्याय,उप प्राचार्य आर के रघुवंशी,साहित्यकार प्रमोद शर्मा,स्पोर्ट्स आफिसर सचिन खंपरिया ने खुशी जाहिर कर शुभकामनाएं दी।

अम्ब्रेला डे पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

द चैम्प्स फन स्कूल में उत्सव का माहौल वर्षाकाल की सावधानियों के बारे में बताया

नर्मदापुरम। ईशान परिसर स्थित द चैम्प्स फन स्कूल में शुक्रवार को प्लेग्रुप और नर्सरी कक्षा के बच्चों ने अम्ब्रेला डे बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डॉ.आशीष चटर्जी तथा निदेशक जूही चटर्जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों को अम्ब्रेला डे क्यों मनाया जाता है इस विषय पर संक्षिप्त जानकारी देकर की गई। बच्चों को बारिश से बचने के लिए छठे और रेनकोट के उपयोग, उनके महत्व और वर्षा ऋतु में सुरक्षा के लिए उनकी भूमिका के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया गया। इसके पश्चात नर्सरी कक्षा के बच्चों ने मिलकर सुंदर गीत बारिश आई बारिश आई पर प्रस्तुति दी, जिसने सभी का मन मोह लिया। बच्चों के उत्साह को और भी प्रोत्साहित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ.आशीष चटर्जी ने प्रेरणादायक भाषण दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने बच्चों को अम्ब्रेला प्रयोग के समय क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए इन बातों को अत्यंत सरल और रोचक ढंग से समझाया। साथ ही बच्चों को सतर्क रहने और स्वच्छता बनाए रखने का भी संदेश दिया। बाद में प्ले ग्रुप और नर्सरी के बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधानों में समूह नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी, जिसने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में एडमिन

ऑफिसर विनिता जसलानी तथा शिक्षिकाएं उपस्थित थीं। संचालन सुश्री खुशी पटेल द्वारा किया गया। अंत में सुश्री खुशी पटेल ने सभी गणमान्य अतिथियों, शिक्षकगणों, एवं बच्चों को धन्यवाद ज्ञापित किया। पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन की कार्यक्रम प्रभारी नेहा राठौर एवं रूचि राजपूत रहीं। अम्ब्रेला डे का यह अनूठा आयोजन बच्चों के लिए न केवल मनोरंजन का माध्यम बना,बल्कि उन्हें वर्षा ऋतु से जुड़ी सावधानियों और उपयोगी वस्तुओं की जानकारी भी प्राप्त हुई।

श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का संगम है कावड़ यात्रा- हेमन्त खण्डेलवाल

मुलताई आगमन पर प्रदेष अध्यक्ष का जगह जगह हुआ भव्य स्वागत

ताप्ती सरोवर में जलाभिषेक कर कावड़ यात्रा का किया शुभारम्भ

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व बैतूल विधायक श्री हेमन्त खण्डेलवाल शुक्रवार को पुण्यदायिनी माँ ताप्ती की उदगम स्थली पवित्र नगरी मुलताई से

शिवधाम सालबर्डी तक आयोजित माँ ताप्ती सर्वमंगल कावड़ यात्रा में शामिल हुए । प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मुलताई आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने जगह जगह आत्मीयता से भव्य स्वागत किया गया । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल ने ताप्ती उदगम स्थल ताप्ती सरोवर में जलाभिषेक और माँ ताप्ती ,भगवान भोलेनाथ सहित देवी-देवताओं का पूजन -अर्चन कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि के लिये प्रार्थना की और कावड़ यात्रा का शुभारंभ किया । भक्तों के साथ कावड़ यात्रा में शामिल होकर उन्होने नगर भ्रमण किया और कावड़ यात्री शिव भक्तों को शुभकामनाए देकर रवाना किया।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमन्त खण्डेलवाल ने कहा कि यह कावड यात्रा सिर्फ यात्रा ही नही बल्कि श्रद्वा भक्ति और उत्साह का संगम है ।

मै पहले जैसा था वैसा ही हू - खण्डेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद बैतूल विधायक हेमन्त खण्डेलवाल के प्रथम मुलताई आगमन पर शुक्रवार को पार्टी कार्यकताओं ग्रामीणों और नगरवासियों ने जगह जगह ढोलढमाकों, आतिशबाजी,पुष्पवर्षा कर गर्मजोशी से आत्मीय स्वागत किया।श्री खण्डेलवाल का स्वागत करने के लिये जन सैलाब उमड पडा। बैतूल से मुलताई मार्ग पर ससुन्द्रा, परमण्डल सहित अन्य ग्रामों के साथ भाजपा कार्यालय मुलताई और मुलताई नगर में जगह जगह श्री खण्डेलवाल का स्वागत किया गया। बैतूल जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार एवं उनके समर्थकों ने परमण्डल जोड पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का तुलादान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री खण्डेलवाल ने कहा कि कार्यकताओं से मिले अपार प्रेम और आत्मीयता से मै अभीभूत हू। उन्होने ने कहा कि भाजपा एक परिवार है मुझे पार्टी ने नया दायित्व सौपा है। सभी के सहयोग से इस दायित्व का मै निर्वहन करूगा। उन्होने कहा था यह दायित्व मिलने के बाद भी मै जैसा पहले था वैसा ही आज भी आपके साथ हूँ और आगे भी आपके साथ रहूगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल ने नागपुर नाका मुलताई में संविधान निर्माता ,भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिभा पर माल्याअर्पण कर श्रद्वासुमन अर्पित किये। कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके ,जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ,मुलताई विधायक श्री चन्द्रशेखर देशमुख ,जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पंवार ,मुलताई नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती वर्षा गढेकर ,भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सुधाकर पवार, कावड यात्रा के आयोजक पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री आदित्य बबला शुक्ला ,जनप्रतिनिधी , पार्टी पदाधिकारी -कार्यकर्ता सहित बडी संख्या में नगरवासी और भक्तगण मौजूद रहे ।

सुर वाणी एवं वीणा पाणी संगीत संस्था द्वारा गुरुपूर्णमा उत्सव सम्पन्न

नर्मदापुरम। स्थानीय ऋषिकुल भवन में सुर वाणी संगीत संस्थान एवं वीणा पाणी संस्था द्वारा माँ सरस्वती पूजन एवं गुरुपूजन का गुरुपूर्णमा उत्सव मनाया गया । विद्यार्थियों द्वारा गुरु पं.रामसेवक शर्मा एवं पं.राम परसाई का पुष्पहार एवं शाल श्रीफल से सम्मान किया गया संयोजक आंनद नामदेव ने बताया कि गायक कु.ऋतू कुलश्रेष्ठ,आदित्य नारायण परसाई,उदित नारायण तिवारी,आकाश जैन एवं आशा राजपूत ने गुरु वंदना एवं भक्ति गायन की प्रस्तुति दी । सुर वाणी तबला क्लास के विद्यार्थियों ने समूह तबला वादन किया । गायन मे उतकर्ष तिवारी,विशाल सगर,ओम तिवारी ने तबला एवं ढोलक पर संगत दी । समूह तबला वादन में बाल कलाकार सुजल केवट, सुमुख दीवान,यस यादव,प्रकुल सोलंकी,गुनिन तिवारी,आरव दुबे, कुशाग्र सैनी,अनाया गौतम,आरव गौतम,सौर्य संतोरे सहित 20 बिद्यार्थियों ने कायदा,रेला एवं टुकड़े बजाकर श्रताओं को

आनंदित कर दिया। कार्यक्रम का आभार राजेश कुलश्रेष्ठ द्वारा किया गया।

अवॉर्ड लेकर लौटीं महापौर, एयरपोर्ट पर स्वागत देश का दूसरा सबसे साफ शहर भोपाल

भोपाल। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के नतीजों में भोपाल देश का दूसरा सबसे साफ शहर घोषित किया गया है। गुरुवार को नई दिल्ली में यह खिताब मिला है। महापौर मालती राय और टीम के

सदस्य शुक्रवार को दिल्ली से भोपाल लौट आए। इस दौरान सफाई मित्र भी एयरपोर्ट पहुंच गए और महापौर समेत अन्य का स्वागत किया। इसके बाद मेयर और एमआईसी सदस्यों ने एयरपोर्ट पर झाड़ू भी लगाई। महापौर और टीम ने सफाई मित्रों को भी हार पहनाकर मुंह मीठा कराया। महापौर राय, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण, एमआईसी मेंबर रविंद्र यति, आरके सिंह बघेल, मनोज राठौर, सुषमा बावीसा, पार्षद बृजला सचान सहित भोपाल के दल में शामिल सदस्यों का स्वागत किया गया। महापौर ने स्वच्छता की रैंकिंग में सुधार का श्रेय सफाई मित्रों को देते हुए पुष्प माला से उनका अभिनंदन किया। प्रतीक चिह्न और सर्टिफिकेट के साथ महापौर, एमआईसी मेंबर, पार्षद और अधिकारी-कर्मचारी। स्वागत के बाद महापौर और एमआईसी सदस्यों ने एयरपोर्ट पर झाड़ू भी लगाई। स्वागत के बाद महापौर और एमआईसी सदस्यों ने एयरपोर्ट पर झाड़ू भी लगाई। महापौर मालती राय ने स्वच्छता मित्रों को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया। एयरपोर्ट पर कई स्वयंसेवी संस्थाओं के लोग भी पहुंचे और स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों से स्वागत महापौर, निगम कमिश्नर, पार्षद, निगम अधिकारी-कर्मचारियों ने सफाईकर्मियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान ढोल-नगाड़े भी खूब बजे। कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी महापौर का स्वागत किया। 12,500 में से 12067 अंक हासिल कर पाया मुकाम कचरा मुक्त शहरों की श्रेणी में भोपाल को 7 स्टार रैंकिंग भी मिली है। वहीं, भोपाल ने देश की सबसे स्वच्छ तम राजधानी होने के साथ ही वाटर+ सिटी का गौरव भी बरकरार रखा है। रीड्यूज, रियूज, रिसायकल थीम पर हुए स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में भोपाल नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण में निर्धारित 10 हजार अंकों में से 9567 अंक और सर्टिफिकेशन के लिए निर्धारित 2500 अंकों में से पूरे अंक प्राप्त किए। इस प्रकार 12 हजार 500 अंकों में से भोपाल शहर ने 12 हजार 067 अंक अर्जित करते हुए 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में दूसरा और प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मध्य प्रदेश गौरव रत्न सम्मान से सम्मानित हुई भोपाल की सेतु सिंह भदौरिया

भोपाल। राष्ट्रीय नारी सशक्तिकरण संघ द्वारा पीपुल्स यूनिवर्सिटी में आयोजित मध्य प्रदेश गौरव रत्न सम्मान से सम्मानित हुई भोपाल की सेतु सिंह भदौरिया समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं को सम्मानित किया गया इस आयोजन के मुख्य अतिथि सांसद दर्शन सिंह चौधरी, पूर्व कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जी ने अध्यक्षता की कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय नारी सशक्तिकरण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार धाकड़ ने किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक मो. साबिर खान द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स 26, देशबंधु परिसर जोन-1 एमपी नगर से मुद्रित एवं मकान नंबर 2, गली नंबर 2 न्यू सब्जी मंडी सिलावट पुरा भोपाल (मध्य प्रदेश) से प्रकाशित!
प्रधान संपादक: मो. साबिर खान-मो नं. 9893887934 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) Email-khabrokiroshniroshni@gmail.com